Finish 196.5 x 260 mm

समाज विकास

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का मुखपत्र

• जनवरी २०१८ • वर्ष ६९ • अंक ०१
मूल्य : ₹ १० प्रति, वार्षिक ₹ १००

उत्कल सम्मेलन के प्रादेशिक अधिवेशन में निर्वाचित अध्यक्ष श्री अशोक जालान (बायें) को पदभार देते प्रादेशिक अध्यक्ष श्री श्याम सुन्दर अग्रवाल।

भारत के महामहिम राष्ट्रपति श्री राम नाथ कोविंद की कोलकाता यात्रा के दौरान सम्मेलन के प्रतिनिधिमंडल ने उनसे मुलाकात की। परिलक्षित हैं (बायें से) सर्वश्री संतोष सराफ, रामअवतार पोद्दार, डॉ. हरिप्रसाद कानोड़िया, महामहिम राष्ट्रपति, प्रह्लाद राय अगरवाला, सीताराम शर्मा एवं शिव कुमार लोहिया।

सम्मेलन का ८३वाँ स्थापना दिवस समारोह

भारत के पूर्व राष्ट्रपति महामहिम श्री प्रणव मुखर्जी इलेक्ट्रॉनिक दीप प्रज्ज्वलित कर समारोह का उद्घाटन करते हुए; साथ में परिलक्षित हैं पश्चिम बंग के महामहिम राज्यपाल श्री केशरी नाथ त्रिपाठी, सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री प्रह्लाद राय अग्रवाला, सांसद श्री विवेक गुप्त, पूर्व अध्यक्षगण सर्वश्री सीताराम शर्मा, डॉ. हरिप्रसाद कानोड़िया एवं रामअवतार पोद्दार, उपाध्यक्ष श्री संतोष सराफ तथा महामंत्री श्री शिव कुमार लोहिया।

A CLASS APART

Bigboss J-CLASS

Egyptian Cotton Innerwear

FROM THE HOUSE OF Dollar

| www.dollarglobal.in | Buy Online: www.dollarshoppe.in | Also available at all leading shopping portals

Dollar products are available in over 800 cities/towns and 100,000 MBOs across India | Govt. Certified STAR EXPORT HOUSE

समाज विकास

◆ जनवरी २०१८ ◆ वर्ष ७१ ◆ अंक ०१
◆ एक प्रति - ₹१० ◆ वार्षिक - ₹१००

अनुक्रमणिका

शीर्षक	पृष्ठ संख्या
● **सम्पादकीय : सन्तोष सराफ**	३
पाठकों से सुझाव भेजने का अनुरोध	
● **चिट्ठी आई है**	४
● **अध्यक्षीय : प्रह्लाद राय अगरवाला**	५
सम्मेलन एवं समाज की अग्रगति	
● **रपट :** स्थापना दिवस समारोह	७-१४
● **सूचना :** राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव	१५
● **रपट :** उत्कल सम्मेलन का प्रांतीय अधिवेशन	२१-२२
● **रपट :** मारवाड़ी युवा मंचः स्वच्छता अभियान	२३-२४
● **रपट :** पूर्वोत्तर में स्थापना दिवस समारोह	२५-२६
● नए सदस्यों का स्वागत	२७-३४

स्वत्वाधिकारी

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन

प्रशासनिक एवं सम्पर्क कार्यालय : ४बी, डकबैक हाउस, ४१, शेक्सपीयर सरणी, कोलकाता - ७०००१७
फोन : ०३३-४००४ ४०८९

पंजीकृत कार्यालय : १५२बी (द्वितीय तल), महात्मा गांधी रोड कोलकाता - ७००००७

◆ email: aimf1935@gmail.com
◆ Website : www.marwarisammelan.com

के लिये श्री भानीराम सुरेका द्वारा मुद्रित एवं प्रकाशित तथा सी.डी.सी. प्रिंटर्स प्रा. लि., ४५, राधानाथ चौधरी रोड, कोलकाता - ७००००१५ से मुद्रित

संपादक : संतोष सराफ ◆ प्रेरक संपादक : सीताराम शर्मा
सम्पादकीय सहयोग : शिव कुमार लोहिया, संजय हरलालका एवं भंवरमल जैसनसरिया

प्रकाशित रचनाओं से सम्पादकीय सहमति अनिवार्य नहीं है।

सम्पादकीय

पाठकों से सुझाव भेजने का अनुरोध

– सन्तोष सराफ

देश एक परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है। पिछले तीन-चार वर्षों में श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश की प्रगति को नई दिशा देने का प्रयास हो रहा है। देशवासी श्री मोदी की ओर आशा की दृष्टि से देख रहे हैं। पिछले लगभग एक वर्ष में आर्थिक दृष्टि से कई महत्वपूर्ण फैसले लिये गए हैं। इनका देश की अर्थव्यवस्था पर दूरगामी प्रभाव पड़ने की संभावना है। लेकिन इन फैसलों के मद्देनजर फिलहाल आर्थिक व्यवस्था एक उथल-पुथल के दौर से गुजर रही है। यह स्वाभाविक है। देशवासी वर्तमान असुविधाओं को धैर्य के साथ झेल रहे हैं। वर्तमान परिस्थिति में व्यवसायी समाज सर्वाधिक प्रभावित हुआ है। कहा जाता है कि दूरगामी लाभ के लिए तात्कालिक कठिनाईयाँ उठानी पड़ती हैं। हमारे समाज में व्यवसायियों की बहुतायत है। कठिन से कठिन परिस्थिति में आगे बढ़ने की समाज कूवत रखता है। यह आशा की जाती है कि परिस्थितियाँ जल्द से जल्द सुधरेंगी एवं अर्थव्यवस्था और भी अधिक मजबूत होकर उभरेगी।

वर्ष २०१७ सम्मेलन के लिए गतिविधियों से भरपूर रहा है। सभी क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। समाज विकास के माध्यम से इन गतिविधियों को सभी पाठकों तक पहुँचाने के दायित्व को निर्वहन करने का भरपूर प्रयास किया गया है। प्रांतों से भी समाचार आने लगे हैं। अभी भी बहुत कुछ करना है। सभी प्रांतीय अधिकारियों से अनुरोध है कि प्रांतों एवं शाखाओं के समाचार यथाशीघ्र भेजने की व्यवस्था करें। समाज विकास को और अधिक रोचक एवं उपयोगी बनाने के लिए यह अत्यंत महत्वपूर्ण है। मैं पाठकों से अनुरोध करूँगा कि अपनी प्रतिक्रियाओं से हमें अवगत करवायें। साथ ही साथ अपने सुझाव भी भेजें।

मुझे आशा है कि वर्ष २०१८ में भी सम्मेलन की गतिशीलता कायम रहेगी। सभी पाठकों एवं समाजबंधुओं को नये वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएँ! साथ ही साथ सभी नवनिर्वाचित प्रांतीय अध्यक्षों को हार्दिक बधाई! ◆◆◆

चिट्ठी आई है

कर्मकाण्ड के नाम पर रुढ़िवादी परम्पराओं में जकड़ा समाज

अक्टूबर २०१७ के अंक में उक्त विषय पर श्री संजय हरलालका, राष्ट्रीय संगठन मंत्री द्वारा लिखित लेख पढ़ा। बड़ा ही सापेक्षिक विषय है। किसी भी परिवर्तन के लिये मनुष्य में दृढ़ इच्छाशक्ति एवं साहस की जरूरत है। यदि हम लोगों की प्रतिक्रिया की चिन्ता करेंगे तो हो चुका समाज सुधार। 'स्वयं सुधरे तो जग सुधरा' एक कहावत ही बन कर रह जायेगा। प्रस्तुत लेख में लेखक ने जो उदाहरण पेश किया उससे लेखक की मानसिक कमजोरी प्रतीत होती है। उन्हें प्रस्तावित साहसिक कदम उठाना चाहिये था।

मैं अब उनको अपना बीता उदाहरण देता हूँ। गत पाँच वर्षों में मेरे पिता एवं माताजी दोनों का देहान्त हुआ। हमने सम्बन्धियों से खिचड़ी नहीं ली और घर पर ही खाना बनाया। द्वादश पर सुख सेज पर किसी भी तरह का आडम्बर नहीं किया और इसकी जगह ब्राह्मण की पूजा कर उसे नकदी रुपये दिये तथा मृतक भोज में सिर्फ पारिवारिक लोगों को ही आमंत्रित किया। इसमें हमें परिवार के सभी सदस्यों का पूर्ण सहयोग मिला। ब्राह्मण भी व्यर्थ के सामान की जगह नकदी रुपये पाकर काफी खुश था तथा मन से आशीर्वाद दिया। नकदी रुपये उसके बहुत कम आये।

अब ऐसी परम्परा हमारे परिवार में आगे भी निभाई जायेगी, ऐसी आशा है। कहने का तात्पर्य है कि मनुष्य को खुद उदाहरण पेश करना चाहिये। "Man lives by examples, not by saying."

सुरेन्द्र क्याल, कोलकाता

◆◆◆

वैवाहिक समारोहों में मद्यपान निषेध

नवम्बर २०१७ अंक में दिए गए विचार स्तुत्य हैं पर कोई भी सुधार तब तक ग्राह्य नहीं होता, जब तक उसके प्रेरक, समाज के नेता, उसके ध्वजवाहक बन, स्वयं उदाहरण प्रस्तुत न करें। समाज के नेता स्वयं यह वचन उठावें कि वे उन वैवाहिक आयोजनों में जल भी ग्रहण नहीं करेंगे जहाँ सुरा परोसी जायेगी। इसका कठोरता से पालन करें एवं औरों को अपने आचरण एवं वचन से प्रेरित करें।

कोई भी व्यक्ति देखादेखी एवं मिथ्याडम्बर के कारण ही अपने समारोहों में शराब परोसता है। जब समाज के स्वनामधन्य व्यक्ति उसके यहाँ बिना जल ग्रहण किये केवल आशीर्वचन प्रदान कर चले जायेंगे तो मद्यपान की प्रक्रिया को बड़ा धक्का लगेगा और स्वतः अधोगति की ओर अग्रसर हो जायेगी।

बृजमोहन बेरीवाला, कोलकाता

◆◆◆

समाज-कल्याण हो समाज-सुधार का उद्देश्य

बेगूसराय में श्रद्धेय विनोद तोदी के शपथ ग्रहण समारोह में हमें अक्टुबर नवम्बर की दो समाज पत्रिका प्राप्त हुई। पहले अनवरत रूप में यह पत्रिका हमारे पते पर प्राप्त होती थी, अब क्या कारण से प्राप्त नहीं हो रही है, जानकारी नहीं। श्रद्धेय शिवकुमार लोहिया (राष्ट्रीय महामंत्री) द्वारा दिये गए विचार वैचारिक शक्ति एवं समाज सुधार अपने आप में विचारणीय हैं। समाज की हर गतिविधियों को ध्यान में रखते हुए हर परिस्थितियों को जिससे समाज प्रभावित हो रहा है, हर कठिन स्थिति में रहनेवाले परिवारों के विषय में, नये धनाढ्यो की सही व्याख्या जिससे समाज में कई कुरीतियाँ फैली है, जैसे सामाजिक उत्सवों में शराब का प्रयोग, प्राप्त सामानों का नग्न प्रदर्शन, फिजूलखर्ची, सामाजिक सिद्धांतो से परे जिन्हें हमारे पूर्वजों ने एक सजग के रूप में निभाया है, बड़ी बारीकी से अपने विचार व्यक्त किये हैं। साथ में, समाज सुधार का मुख्य उद्देश्य समाज-कल्याण होना चाहिए। इस बावत महत्वपूर्ण दस विचारों को लिखा है। (१) प्रत्येक समाज के विचार की उत्पत्ति समाज के जरूरतमंद एवं उपेक्षित लोगों को ध्यान में रखकर होनी चाहिये। (२) प्रत्येक व्यक्ति को सामाजिक संयम एवं कायदे-कानून का पालन स्वेच्छा से करना चाहिये। (३) समाज सुधार की प्रक्रिया में धैर्य नहीं खोना चाहिए। (४) समाज सुधारों का अर्थ है नवजागरण। (५) प्रत्येक व्यक्ति सुधार के मापदंड सर्वप्रथम स्वयं पर लागू करे। (६) विचारों का कार्यान्वयन करने के लिये कोशिश तब तक जारी रहनी चाहिए जब तक पूर्ण सफलता न मिल जाये। (७) महात्मा गांधी के कथानुसार सुधार की बातों का सर्वप्रथम लोग संज्ञान नहीं लेंगे। (८) सफलता कभी उतनी सरलता से नहीं मिलने वाली जितना आप सोचते हैं। (९) यह ध्यान में रखना चाहिये कि प्रत्येक व्यक्ति में गुण एवं अवगुण दोनों विद्यमान रहते हैं। (१०) जिस सुधार के लिये आप कार्य कर रहे हैं उसपर आपकी दृढ़ आस्था होनी चाहिये।

विचारों के नवजागरण का समय आ चुका है। सुप्त एवं दिशाहीन समाज को जागृत करने एवं दिशा देने में समाज-पत्रिका का योगदान महत्वपूर्ण होगा। ऐसे मनीषियों एवं विद्वानों के विचारों को समय-समय पर लेना हम सभी समाजसेवियों का परम कर्त्तव्य हो जाता है।

सत्यनारायण तुलस्यान, मुजफ्फरपुर (बिहार)

अध्यक्षीय

सम्मेलन एवं समाज की अग्रगति

– प्रह्लाद राय अगरवाला

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन एवं व्यक्तिगत तौर पर मेरी ओर से सम्मेलन के सभी सदस्यों एवं सभी समाजबंधुओं को नव वर्ष की हार्दिक शुभकामनायें! सम्मेलन के स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित समारोह में भारत के निवर्तमान राष्ट्रपति महामहिम श्री प्रणव मुखर्जी ने अपने सारगर्भित वक्तव्य में सम्मेलन के प्राण-पुरुष स्व. ईश्वरदास जालान का उल्लेख किया तथा उनके द्वारा लिये गए फैसलों का उदाहरण देकर उनकी न्यायप्रियता एवं निष्ठा का वर्णन किया। **महामहिम ने समरसता और समाज कल्याण के कार्यों में मारवाड़ी समाज के योगदान का जिक्र करते हुए एक रोचक बात बतायी। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंग से स्व. बसंत लाल मुरारका उस क्षेत्र से लोकसभा सांसद चुने गए थे, जहाँ मारवाड़ी समाज की जनसंख्या नगण्य थी। यह समरसता और सामाजिक कार्यों में मारवाड़ियों के समर्पण के कारण ही संभव हुआ।**

पश्चिम बंगाल के राज्यपाल महामहिम श्री केशरीनाथ त्रिपाठी ने भी मारवाड़ी समाज के अवदानों का उल्लेख किया एवं साधुवाद दिया। सम्मेलन के मंच से चाहे वह बिहार में हो, उत्कल में हो, झारखंड में हो या असम में हो, सभी जगह प्रतिष्ठित एवं महत्वपूर्ण व्यक्तियों ने समाज के प्रति सकारात्मक विचार व्यक्त किया है। कुछ दिनों पहले जमशेदपुर में आयोजित झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के अधिवेशन में झारखंड के मुख्यमंत्री माननीय श्री रघुबर दास ने समाज के अवदानों की भूरि-भूरि प्रशंसा की।

इस प्रकार हम यह समझ सकते हैं कि समाज की छवि वृहत्तर परिप्रेक्ष्य में कितनी उज्ज्वल है। इसके लिए हमारे पूर्वजों द्वारा किये गये अवदान, उनकी जीवनशैली, उनके द्वारा स्थापित संस्कार, परम्परा ही प्रमुख कारण हैं। उन्होंने अपने कार्यकलापों, व्यवहार, मिलनसारिता एवं दानवीरता के माध्यम से एक परिपाटी स्थापित की, जिसको आगे बढ़ाने का दायित्व हम पर एवं आनेवाली पीढ़ी पर है। यह कहना कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी कि यही मारवाड़ी समाज की खासियत रही है। यह एक शोध का विषय हो सकता है कि समाज के व्यक्तियों द्वारा विषम से विषम परिस्थितियों में भी वाणिज्य-व्यवसाय को ही अपना मार्ग चुनने के पीछे क्या कारण थे। हो सकता है, समाज ने जिस प्रकार कंटक भरे मार्ग पर चलते हुए अपनी दिशा निर्धारित की है, उसमें इस समूह की जातिगत या वहाँ की मिट्टी की विशेषता रही होगी। इस विशेषता को कुछ लोग मारवाड़ीयत कहते हैं।

ऐसा सोचने के कारण हैं। मुझे अपनी नयी पीढ़ी पर पूर्ण भरोसा है। वे अत्यंत ही प्रतिभाशाली एवं परिश्रमी हैं। मुझे आशा है कि निश्चय ही इस संबंध में समाज की खूबियों को बरकरार रखने में वे अपनी अभीष्ट भूमिका निभायेंगे। मारवाड़ी समाज की श्रेष्ठता को कायम रखकर उसे राष्ट्र की प्रगति में नियोजित करना ही सम्मेलन का लक्ष्य है, जो कि हमारे पूर्वजों ने बहुत सोच-समझ कर स्थापित किया है। सम्मेलन की गतिविधियाँ इसी लक्ष्य को लेकर ही हैं।

इस सत्र में हमारा प्रयास रहा है कि 'संगठित समाज सशक्त आवाज' नारे के अंतर्गत हम संगठन को मजबूत करें। साथ ही साथ समाज को एक सूत्र में पिरोने का प्रयास जारी रखें। देश के कुछ भागों में सम्मेलन की गतिविधियाँ प्रसारित करने की नितांत आवश्यकता है। इस संबंध में सभी समाज बंधुओं से सहयोग एवं सक्रिय प्रयास करने का अनुरोध करता हूँ। हम सबको अपनी सांगठनिक स्थिति पर जरूर विचार करना चाहिए और सम्मेलन के संगठन-विस्तार हेतु हर स्तर पर यथासंभव प्रयत्न करना चाहिए। शाखाएँ इस विषय पर प्रतियोगिता की भावना के साथ कार्य करें और इस क्षेत्र में विशिष्ट उपलब्धि प्राप्त करनेवाली शाखा को प्रादेशिक एवं केन्द्रीय स्तर पर सम्मानित किया जाए।

हाल ही में प्रांतों में चुनाव द्वारा नये प्रांतीय अध्यक्षों का चयन किया गया है। उत्कल प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के श्री अशोक जालान, बिहार के श्री बिनोद तोदी एवं पूर्वोत्तर के श्री मधुसूदन सिकरिया को मैं बधाई एवं शुभकामनाएँ प्रेषित करता हूँ! मुझे आशा ही नहीं बल्कि पूर्ण विश्वास है कि उनके नेतृत्व में सम्मेलन और भी शक्तिशाली होकर उभरेगा।

जय समाज, जय राष्ट्र! ◆◆◆

ब्रह्मांड की सारी शक्तियाँ पहले से ही हमारी हैं। वो तो हम हैं जो अपनी आँखों पर हाथ रख लेते हैं और फिर रोते हैं कि कितना अंधकार है। *– स्वामी विवेकानन्द*

FREE SCHOLARSHIP

MARWARI SAMMELAN FOUNDATION

(A Trust of All India Marwari Federation)

Invites application from the meritorious and needy students of the society for scholarships to pursue Post Graduate Higher Education in the fields of Engineering. Technical, Civil Services, Medicine, Management etc.

Eligibility : (A) Meritorious student with excellent academic record between the age of 17-25 years and having secured admission in a recognized educational institution purely on the basis of merit. (B) Annual income of the parents of the candidate should preferably be less than Rs. Three Lakh.

Procedure : (A) Application with details of past academic records, proof of admission, parent's income/along with passport size photograph may be submitted duly recommended by any branch of Marwari Sammelan/Associated Organisations. (B) The Scholarship payable per student per year will be a maximum of Rs. Two Lakh only. (C) One or two scholarships per academic year is reserved for girl students.

Please apply to : Chairman, Higher Education Committee, All India Marwari Sammelan
4B, Duckback House (4th Floor)
41, Shakespeare Sarani, Kolkata - 700 017
Phone & Fax : (033) 40044089, e-mail: aimf1935@gmail.com

२००६ में पारित वैवाहिक आचार संहिताः व्यवहार में परिणत कराये सम्मेलन

वैवाहिक समारोहों में फिजूलखर्ची, धन का भौड़ा प्रदर्शन, बेतरतीब नाच-गान और मद्यपान पिछले कई दशकों से एक ज्वलंत समस्या रहे हैं। सम्मेलन के विभिन्न मंचों पर इस विषय पर चर्चाएँ हुई हैं, चिन्तन शिविर आयोजित किए गए हैं, गोष्ठियाँ हुई हैं। आज भी गाहे-बेगाहे यह प्रश्न उठता रहता है।

इस संदर्भ में सन् २००६ में आयोजित एक चिन्तन शिविर उल्लेखनीय है। सम्मेलन के तत्कालीन राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री सीताराम शर्मा की परिकल्पना से ४-५ नवम्बर २००६ को साल्टलेक, कोलकाता स्थित जयनारायण गुप्ता स्मृति भवन में आयोजित इस चिंतन शिविर में सम्मेलन के केन्द्रीय-प्रांतीय पदाधिकारी, महिला सम्मेलन की राष्ट्रीय अध्यक्षा एवं अन्य पदाधिकारी, युवा मंच के पदाधिकारियों सहित स्थानीय विद्वानों एवं समाजचिंतकों ने शिरकत की। दो दिनों तक गहन विचार-मंथन के बाद एक वैवाहिक आचार-संहिता तय की गयी जो निम्नवत है:

- मिलनी सबकी ४ रुपया, चाँदी छोड़ कागज का रुपया।
- पानी से पापड़ तक अधिकतम २५ व्यंजन का नियम लागू हो।
- विवाह में दोनों पक्ष को मिलाकर यथासंभव सीमित उपस्थिति हो।
- कम खर्च वाले साधारण निमंत्रण पत्र छपने चाहिए।
- सज्जन गोठ बन्द हो।
- नेग का कार्यक्रम एक ही होना चाहिए।
- सगाई/विवाह की मिठाई का खर्च वर पक्ष ही वहन करें।
- बैण्ड, सड़क पर नाच, वैवाहिक समारोहों में शराब का उपयोग वर्जित हो।
- रात्रि के विवाह की बनिस्पत दिन के विवाह को प्राथमिकता दी जाए।

इस आचार-संहिता को सम्मेलन ने यथाशक्ति प्रचारित-प्रसारित किया। प्रांतीय शाखाओं ने भी अपने-अपने स्तर से कदम उठाए। एक विचार-मंच के रूप में सम्मेलन ने अपनी भूमिका निभायी, समाधान तलाशा किन्तु इसको व्यवहार में परिणत करने के लिए पूरे समाज के हर परिवार की भागेदारी जरूरी है।

आज की परिस्थितियों का अगर आप आकलन करें, तो पायेंगे कि कुल मिलाकर स्थिति शुभ नहीं है। आज फिर हमें इस विषय पर विचार करने, समाधान का मार्ग तय करने और सबसे जरूरी सभी को उस मार्ग पर कैसे लाया जा सके, यह सोचना है।

उपर्युक्त के आलोक में प्रांतीय इकाइयों, शाखा सम्मेलनों, समाजचिंतकों से उपरोक्त आचार संहिता को रूपायित करने हेतु पुनर्प्रयास का अनुरोध है।

डॉ. जुगल किशोर सराफ
चेयरमैन,
समाज सुधार उपसमिति

मारवाड़ियों का देश की प्रगति में महत्वपूर्ण योगदानः प्रणव मुखर्जी

स्वतंत्रता-संग्राम से राष्ट्रनिर्माण तक मारवाड़ियों की भूमिका अग्रणीः राज्यपाल त्रिपाठी

समाज विकास विशेषांक का विमोचन

"मारवाड़ी समुदाय स्वतंत्रता-पूर्व भारत से लेकर आज तक परिवर्तन की प्रक्रिया में सक्रिय प्रतिभागी रहा है। जमनालाल बजाज, घनश्याम दास बिड़ला, डॉ. राममनोहर लोहिया और इन जैसे अनेक विशिष्ट प्रतिभाशाली समाजबंधुओं ने वाणिज्य-व्यापार, राजनीति, शिक्षा, न्यायतंत्र, मीडिया आदि के क्षेत्र में जो अग्रणी योगदान किया है, उसका आकलन कठिन है। मारवाड़ी देश के कोने-कोने में फैलकर आपूर्ति-श्रृंखला एवं वित्तीय वितरण का तंत्र स्थापित करने वाला पहला समुदाय था। इस समुदाय की सबसे विशिष्ट खूबी रही है कि ये जहाँ कहीं भी बसे हैं, वहाँ की सर्वांगीण प्रगति में अग्रणी भूमिका निभाई है।" ये उद्‌गार भारत के पूर्व राष्ट्रपति महामहिम श्री **प्रणव मुखर्जी** ने सम्मेलन के ८३वें स्थापना दिवस के अवसर पर उद्‌घाटनकर्ता एवं मुख्य अतिथि के रूप में अपने वक्तव्य में प्रकट किए। समारोह कोलकाता स्थित कला मंदिर सभागार में २५ दिसम्बर २०१७ को प्रातः ११ बजे से आयोजित किया गया।

समारोह के सम्मानित अतिथि के रूप में अपने सम्बोधन में **पश्चिम बंग के महामहिम राज्यपाल श्री केशरीनाथ त्रिपाठी** ने राष्ट्र के स्वतंत्रता-संग्राम और स्वतंत्रता के बाद राष्ट्रनिर्माण में मारवाड़ियों के विशिष्ट योगदान का उल्लेख किया। सम्मेलन के समाज-सुधार के कार्यक्रमों और हाल में वैवाहिक समारोहों में मद्यपान पर नियंत्रण हेतु कदमों की श्री त्रिपाठी ने प्रशंसा की और कहा कि **समाज स्वस्थ रहने में ही देश की प्रगति निहित है।**

अपने स्वागत वक्तव्य में सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री प्रह्लाद राय अगरवाला** ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि बदलते समय के साथ मारवाड़ी समाज ने वाणिज्य-व्यापार की परिधि से बाहर निकल अन्य क्षेत्रों में भी उल्लेखनीय उपलब्धियाँ हासिल की है। तथापि आज युवक-युवतियों को सामाजिक कुरीतियों की ओर भी ध्यान देने की आवश्यकता है। **गतिशील विश्व में हम सामाजिक गतिहीनता में नहीं रह सकते।**

सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं समारोह के प्रधान वक्ता **श्री सीताराम शर्मा** ने मारवाड़ियों एवं सम्मेलन की पृष्ठभूमि, इतिहास, उद्देश्यों-कार्यक्रमों आदि पर विस्तार से प्रकाश डाला और कई रोचक संस्मरण सुनाये। बंगाल, विशेषकर कोलकाता में मारवाड़ियों और बंगालियों के बीच लम्बे समय से सामाजिक-शैक्षणिक-साहित्यिक-सांस्कृतिक क्षेत्रों में परस्पर आदान-प्रदान पर उन्होंने सविस्तार चर्चा की और **समरसता की भावना को मारवाड़ी समाज का एक विशिष्ट गुण बताया।**

समारोह के विशिष्ट अतिथि, दैनिक सन्मार्ग के ग्रुप सम्पादक, **सांसद श्री विवेक गुप्त** ने अपने उद्‌बोधन में सर्वप्रथम सम्मेलन के **स्थापना दिवस समारोह हेतु पश्चिम बंग की जनप्रिय मुख्यमंत्री सुश्री ममता बंद्योपाध्याय का शुभ संदेश दिया।** श्री गुप्त ने कहा कि मारवाड़ियों ने कोलकाता में मात्र व्यापार ही नहीं किया अपितु जनकल्याण के विभिन्न क्षेत्रों में अग्रणी योगदान किया है। उन्होंने **सम्मेलन के "वैवाहिक कार्यक्रमों में मद्यपान निषेध" कार्यक्रम को सुसामयिक बताया और सभी उपस्थितों से उसमें सहभागिता का अनुरोध किया।**

सम्मेलन की निर्देशिका का विमोचन

<< स्थापना दिवस समारोहः तस्वीरों के आइने में >>

श्री अब्दुल समद राही का सम्मान

डॉ. नीरज दइया का सम्मान

सांस्कृतिक कार्यक्रम की झलकियाँ

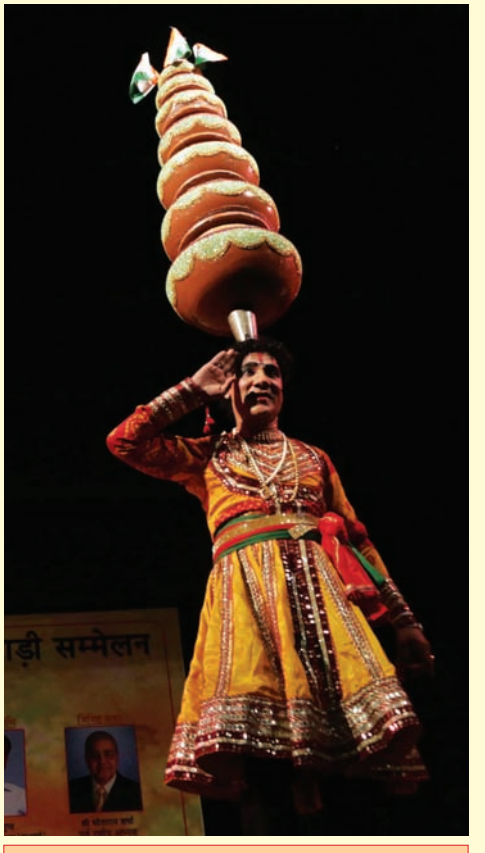

श्री सुरेश चंद्र व्यास (ऊपर);
बायें धर्मपत्नी श्रीमती वीणा व्यास के साथ।

समारोह में सर्वप्रथम सर्वश्रीमती सुनीता लोहिया, पुष्पा बियाणी, उषा अग्रवाल, शर्मिष्ठा दासगुप्ता आदि ने राष्ट्रगान प्रस्तुत किया। तत्पश्चात् बुके, साफा और मेमेन्टो देकर अतिथियों एवं पदाधिकारियों का यथायोग्य स्वागत किया गया।

भारत के निवर्तमान राष्ट्रपति महामहिम श्री प्रणव मुखर्जी ने महागणेश को दीप प्रज्ज्वलित कर समारोह का उद्घाटन किया। सम्मेलन की सद्यप्रकाशित **निर्देशिका** का विमोचन पश्चिम बंग के महामहिम राज्यपाल श्री केशरीनाथ त्रिपाठी के कर-कमलों से निर्देशिका उपसमिति के चेयरमैन **श्री ओम प्रकाश अग्रवाल** ने करवाया।

स्थापना दिवस समारोह के अवसर पर प्रकाशित सम्मेलन के मासिक मुखपत्र **'समाज विकास'** के विशेषांक का विमोचन सम्मेलन के राष्ट्रीय संगठन मंत्री **श्री संजय हरलालका** ने भारत के निवर्तमान राष्ट्रपति महामहिम श्री प्रणव मुखर्जी के कर-कमलों से करवाया।

सम्मान समारोह

प्रत्येक वर्ष की भांति स्थापना दिवस के अवसर पर राजस्थानी भाषा-साहित्य की श्रीवृद्धि हेतु दिए जाने वाले सम्मान - सीताराम रुँगटा राजस्थानी भाषा-साहित्य सम्मान एवं केदारनाथ भागीरथी देवी कानोड़िया राजस्थानी भाषा बाल-साहित्य सम्मान, इस वर्ष भी विधिवत एवं भव्य अंदाज में प्रदान किए गए।

सीताराम रुँगटा राजस्थानी भाषा-साहित्य सम्मानः राजस्थानी भाषा-साहित्य की श्रीवृद्धि में विशिष्ट योगदान हेतु यह सम्मान बीकानेर, राजस्थान निवासी, बहुमुखी प्रतिभा के धनी, मूर्धन्य साहित्यकार **डॉ. नीरज दइया** को दिया गया।

पश्चिम बंग के **महामहिम राज्यपाल श्री केशरीनाथ त्रिपाठी** ने मानपत्र एवं सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष **डॉ. हरिप्रसाद कानोड़िया** ने श्रीफल, माला, शॉल और चेक भेंट कर डॉ. दइया को सम्मानित किया।

केदारनाथ भागीरथी देवी कानोड़िया राजस्थानी भाषा बाल-साहित्य सम्मानः राजस्थानी भाषा के बाल-साहित्य की श्रीवृद्धि हेतु यह सम्मान सोजत शहर, राजस्थान निवासी प्रतिभाशाली साहित्यकार **श्री अब्दुल समद राही** को दिया गया।

भारत के **निवर्तमान राष्ट्रपति महामहिम श्री प्रणव मुखर्जी** ने मानपत्र एवं सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री रामअवतार पोद्दार** ने श्रीफल, माला, शॉल और चेक भेंट कर श्री राही को सम्मानित किया।

श्री संतोष सराफ

धन्यवाद ज्ञापन करते हुए समारोह की स्वागत समिति के चेयरमैन एवं सम्मेलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष **श्री संतोष सराफ** ने सभी उपस्थितों का आभार प्रकट किया और सम्मेलन के भावी समारोहों एवं कार्यक्रमों में सहभागिता का अनुरोध किया। सत्र का संचालन करते हुए सम्मेलन के राष्ट्रीय महामंत्री **श्री शिव कुमार लोहिया** ने सम्मेलन के कार्यक्रमों और उद्देश्यों के परिप्रेक्ष्य में **"आज अंधेरा हो भले, पर स्वप्न तो स्वर्णिम सजाओ। कल्पना साकार करने, नवसृजन के गीत गाओ। मैं अकेला ही चलूँगा, साथ कोई हो न हो। तोड़ दूँगा रूढ़ियाँ, अवरोध कितना भी कठिन हो।"** जैसे उद्धरणों एवं उक्तियों से कार्यक्रम को सरस बनाये रखा। राष्ट्रगान के साथ यह सत्र सम्पन्न हुआ।

श्री शिव कुमार लोहिया

सांस्कृतिक कार्यक्रम

समारोह के दूसरे सत्र में **अविष्का लोक कला मंच (दिल्ली)** के कलाकारों ने प्रसिद्ध राजस्थानी लोकनृत्य, गायन एवं मनमोहक संगीत की प्रस्तुति की और सतरंगी छटा बिखेरी।

अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर सुख्यात **श्री सुरेश चन्द्र व्यास** ने विभिन्न प्रकार के राजस्थानी नृत्य प्रस्तुत किए। उनके विश्वप्रसिद्ध भवई नृत्य ने तो उपस्थित समुदाय को चमत्कृत कर दिया। खचाखच भरा कला मंदिर सभागार करतल ध्वनि से गुंजायमान होता रहा।

सांस्कृतिक कार्यक्रम का संचालन करते हुए सम्मेलन के राष्ट्रीय संगठन मंत्री **श्री संजय हरलालका** ने गीतों-नृत्यों की सरस प्रस्तावना दी एवं शमां बाँधे रखा।

दर्शक-दीर्घा

ज्ञातव्य है कि अविष्का लोक कला मंच राजस्थान की लोक-विरासत के संरक्षण एवं उसके प्रचार-प्रसार के क्षेत्र में एक सुप्रसिद्ध नाम है। मंच राजस्थान ही नहीं, बल्कि पूरे देश और विदेश के युवक-युवतियों में भी राजस्थान की लोक-कलाओं के प्रति रूचि जागृत करने एवं उन्हें इनकी शिक्षा देने में एक लम्बे समय से प्रयासरत रहा है। मंच को श्री व्यास के नेतृत्व में स्विटजरलैंड, फ्रांस, अल्बानिया, चेक रिपब्लिक, टर्की, इजरायल, सिंगापुर, मॉरीशस, रूस, कजाकिस्तान सहित अनेक देशों में राजस्थानी संस्कृति का परचम लहराने का गौरव हासिल है।

समाचार सार

दिनेश जैन को मिली पी.एच.डी. की उपाधि

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय महामंत्री एवं कोलकाता में निवेश के क्षेत्र में सुख्यात कंपनी ओम कैपिटल के एम.डी. **श्री दिनेश जैन** को **'जैन धर्म के अनेकांत वाद'** पर अनुसंधान हेतु **जैन विद्या शोध संस्थान ने पी.एच.डी. की उपाधि प्रदान की है**। संस्थान द्वारा गत १६ दिसम्बर २०१७ को कोलकाता स्थित विद्या मंदिर में आयोजित एक समारोह में श्री जैन को पश्चिम बंग के महामहिम राज्यपाल **श्री केशरीनाथ त्रिपाठी** के कर-कमलों से यह उपाधि प्रदान की गई।

अवसर था जैन भवन के ७२ वर्ष पूर्ण होने का एवं जैन जर्नल के स्वर्ण-जयंती समारोह का। 'बंग भूमि में जैन धर्म' की थीम के साथ आयोजित इस समारोह में 'जैन जीवनशैली की प्रासंगिकता' विषयक आलेख प्रतियोगिता आयोजित की गई और विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम में बंगाल में जैन विरासत पर एक लघु फिल्म भी प्रदर्शित की गई।

समारोह को सम्बोधित करते हुए महामहिम राज्यपाल श्री त्रिपाठी ने कहा कि जैन सिद्धांत व्यावहारिक एवं वैज्ञानिक मूल्यों पर आधारित हैं। जैन धर्म यद्यपि प्राचीन है किन्तु यह एक ऐसी जीवनशैली हो आज भी प्रासंगिक है इसे अपनाकर

हम जीवन में अपार सफलता हासिल कर सकते हैं।

समारोह में **डॉ. जीतेन्द्र बी. शाह, सर्वश्री सर्वेश जैन, सी. एम. बच्छावत, आचार्य रामकृष्ण शास्त्री, कमल सिंह रामपुरिया, अजयचंद बोथरा, डॉ. बसुमति डागा, रतनलाल अग्रवाल, राजेन्द्र खंडेलवाल, विजय कुमार गोलछा, शोभा भूतोड़िया, गौतम दुग्गड़, रूपचंद सावनसुखा, अनिल दुग्गड़, महेन्द्र राय मेहता** सहित गणमान्य लोग उपस्थित थे। **श्रीमती पुष्पा वैद** ने समारोह का संचालन किया।

Speech by H.E. Shri Pranab Mukherjee, Former President of India

I am happy to be present here today and I congratulate you all on the 83rd Foundation Day of the All India Marwari Federation. It is a matter of great pride for an organization to complete 82 years of its journey. I understand this Federation was established in 1935 under the able guidance of Shri Ishwardas Jalan.

As we know, the All India Marwari Federation has spearheaded many effective, beneficial and successful campaigns for social reforms. Decades come and go but what remain are the impressions left behind the acts of individuals and reformers. India is privileged to have had epochal reformists like Dayanand Saraswati and Raja Ram Mohan Roy. They inspired radical changes in the society and the nation is ever indebted to them for their contributions.

Friends, as a part of the community and as a responsible citizen, it falls upon our shoulders to ensure that we achieve an egalitarian society. A society, where there is equality and equity. A society, where there is safety and security. A society, where we exist together in harmony, a society that our founding fathers envisioned for us. A society, where everyone irrespective of caste, creed and gender gets respect and a sense of self-esteem.

Ladies and Gentlemen, it is the society as much as the Government, on which the onus of producing citizens who are not only literate, but educated. I believe that constructive steps towards such an enabling society will help us in holistic growth and development. I understand that, social reform is a continuous process. It takes time for a social reform to take root and blossom into a flower. It requires sustained nurturing, efforts and conviction. As George Bernard Shaw has rightly said, "Progress is impossible without change and those who cannot change their minds cannot change anything".

It is here that I would like to emphasize that the Marwari community has played a pivotal role in social reform process. They have been active participants of the process of change since pre-independence era. It is difficult to measure the pioneering contributions made by Shri Jamnalal Bajaj, Shri Ghanshyam Das Birla, Dr Ram Manohar Lohia and host of luminaries of the community in the fields of trade, industry, education, judiciary, media etc.

Marwari community was the first to spread in every nook and corner of the country, establishing supply chains and financial distribution network. The most important aspect of the community has been its contribution to an overall development of the region, wherever they have settled. The community has been known for its honesty, innovation, adaptability, philanthropy and resilience. It is these efforts which have earned the Marwari Community respect, not only as a community but for the country as a whole.

Friends, Philanthropy has been an integral part of Marwari community, since the beginning of the business community and their eventual rise. The community took up the cause of education, reform of public health system and social reform at the outset, especially in Kolkata.

In addition to this, the philanthropic ventures of the Marwari Community are visible throughout the country via charitable institutions, hospitals, Jain temples, rest houses, auditoriums and public drinking water facilities built by prominent Marwaris over the past six decades. An integral part of the history of Bengal, your contribution to art, architecture and culture of Bengal can never be overlooked.

It is good to see that All India Marwari Federation is engaged in bringing about a positive social revolution around the ethos of service of fellow human beings, compassion and help to the most marginalized. This service to the society is commendable. I am certain that the inspiration behind the successful endeavours of All India Marwari Federation also in part due to the leaders behind it. Some of them had national recognition as well, like Raibahadur Ramdeo Chokhani, Padmapat Singhania, Brijlal Biyani, Seth Govinddas, Harishankar Singhania and others. These were men and women of Marwari community, who led from the front. It is these leaders whose hard work and efforts left an imprint on the economic landscape of the country. Their sheer courage to break free from the shackles of colonial rule leave an everlasting impact on the social and cultural milieu is the finest example of their acumen and philanthropy.

In conclusion, let me quote Rabindranath Tagore who said – "I slept and dreamt that life was joy. I awoke and saw that life was service. I acted and behold, service was joy." It is with these wonders, highlighting the importance of service to humanity, I compliment you all and wish that the Federation continue its nation building activities in the days and years to come. Thank you, Jai Hind.

श्री केशरीनाथ त्रिपाठी, महामहिम राज्यपाल, पश्चिम बंग, का वक्तव्य

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के ८३वें स्थापना दिवस समारोह में शामिल होकर मुझे अपार हर्ष हो रहा है। इस अवसर पर मैं सम्मेलन के सभी सदस्यों को अपनी शुभकामनायें प्रेषित करता हूँ। यह एक गर्व का विषय है कि सम्मेलन ने अपने ८२ वर्ष के जीवनकाल में राष्ट्र एवं समाज के विकास में अपना अतुलनीय योगदान दिया है।

मारवाड़ी समाज की राष्ट्रीय स्वतंत्रता आंदोलन एवं बाद के विकास में महती भूमिका रही है। सेठ जमनालाल बजाज एवं घनश्याम दास बिड़ला की स्वतंत्रता आंदोलन में आर्थिक भूमिका महत्वपूर्ण रही है। समाज के शिरोमणि जमनालाल बजाज को महात्मा गांधी के पाँचवे पुत्र होने का सौभाग्य प्राप्त था। गांधीजी के नेतृत्य में 'करो या मरो' आंदोलन में समाज के लोगों ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया एवं गिरफ्तार हुए। गिरफ्तार होने वालों में डॉ. राममनोहर लोहिया, बृजलाल बियाणी, सेठ गोविन्ददास, बसंतलाल मुरारका, सीताराम सेक्सरिया, मूलचंद अग्रवाल, भगीरथ कानोड़िया, विजय सिंह नाहर, भंवरमल सिंघी एवं सिद्धराज ढ़ड्ढ़ा आदि भी शामिल थे।

देश में कोई ऐसा स्थान नहीं जहाँ मारवाड़ी समाज के लोग न रहते हों। प्रारम्भ में मारवाड़ी से केवल व्यापार करने वाली जाति का भान होता था पर आज यह व्यापार के साथ-साथ कला, संस्कृति, साहित्य, तकनीक, शिक्षा एवं अन्यान्य क्षेत्रों में अपना उल्लेखनीय स्थान बना रहे हैं एवं देश की प्रगति में उल्लेखनीय योगदान दे रहे हैं। यह जानकर मुझे खुशी है कि सम्मेलन का उद्देश्य – 'म्हारो लक्ष्य राष्ट्र री प्रगति' है।

सम्मेलन मारवाड़ी समाज की एक वैचारिक संस्था है। समाज सुधार के क्षेत्र में पर्दाप्रथा उन्मूलन, नारी शिक्षा प्रसार, विधवा विवाह समर्थन, दहेज प्रथा उन्मूलन, फिजूलखर्ची एवं आडम्बर जैसे अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर सम्मेलन ने सफल हस्तक्षेप किया है। इसका प्रतिफल आज हमें देखने को मिल रहा है। समाज में महिलायें सभी क्षेत्रों में आगे बढ़ रही हैं। समाज स्वस्थ रहने में ही देश की प्रगति निहित है। समय की माँग है कि हम समाज को प्रदूषण से दूर रखें। साथ ही साथ जो भी कुरीतियों सिर उठाती हैं उनको परिमार्जित करें। मुझे यह बताया गया है कि इस वर्ष राँची में आयोजित सभा में वैवाहिक कार्यक्रमों में मद्यपान निषेध के लिए प्रस्ताव पारित हुआ था। इस विषय में सम्मेलन के हस्तक्षेप का सकारात्मक प्रभाव पड़ा है।

मारवाड़ी समाज द्वारा पूरे देश में निर्मित धर्मशाला, मंदिर, विद्यालय, कालेज एवं अस्पताल आदि दर्शाते हैं कि समाज ने अपना सामाजिक दायित्व निभाया है। हमारी सनातन संस्कृति का आदर्श रहा है कि जो भी सम्पति एवं साधन हमारे हाथ में हैं, वे हमारे पास थाती के रूप में हैं। उनका उपयोग हमें उन्हीं बातों के लिए करने का अधिकार है जिनसे वर्तमान एवं आने वाली पीढ़ियों का हित साधन हो। महात्मा गांधी ने भी इन्हीं बातों को अपने ट्रस्टीशीप के सिद्धांत में समाहित किया था।

मारवाड़ी समाज का इतिहास गौरवमय रहा है। यह अत्यंत हर्ष का विषय है कि अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन पूरे समाज को एक सूत्र में पिरोकर उसकी ऊर्जा को राष्ट्रहित में कारगर ढ़ंग से प्रयुक्त करने में संलग्न है। समाज सुधार एक निरंतर प्रक्रिया है। मुझे आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि सम्मेलन अपने उद्देश्यों की ओर सतत् प्रयत्नशील रहेगा और सफलता प्राप्त करेगा।

समाचार सार

वोयाजिन हुई पुरस्कृत

जयपुर के श्री तुषार खण्डेलवाल की टोकियो (जापान) स्थित कम्पनी वोयाजिन को पर्यटन उद्योग का प्रसिद्ध ट्रेवलमोल मिडिया ग्रुप ए.पी.ए.सी.-२०१७ पुरस्कार प्राप्त हुआ है। उल्लेखनीय है कि यह पुरस्कार पर्यटन उद्योग से सम्बद्ध कम्पनियों को उत्कृष्ट वेब सोशियल मोबाइल और पर्यटन प्रौद्योगिकी के लिए दिया जाता है। वोयाजिन की वेबसाइट 'वोयाजिन.कॉम' को पर्यटन उद्योग से संबंधित जानकारी देने वाली सर्वश्रेष्ठ वेबसाइट चुना गया है। यह वेवसाइट अपनी उपयोगिता के कारण जापान एवं अन्य देशों में भी लोकप्रिय है।

युवा उद्यमी तुषार को अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की हार्दिक बधाई!

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री प्रह्लाद राय अगरवाला का स्वागत-वक्तव्य

सम्मानित मंच, बहनों एवं भाइयों,

देश के पूर्व राष्ट्रपतियों – ज्ञानी जैल सिंह, शंकरदयाल शर्मा एवं प्रतिभा देवीसिंह पाटिल ने मारवाड़ी सम्मेलन के समारोहों में अपनी उपस्थिति से हमारा मान बढ़ाया है। इसी कड़ी में आज हमारे बीच हमारे अपने पूर्व राष्ट्रपति प्रणव बाबू की गौरवमयी उपस्थिति हम सभी के लिए गर्व, सम्मान एवं गौरव की बात है। उनका हार्दिक स्वागत करते हुए हम उनका हृदय से आभार व्यक्त करते हैं।

मारवाड़ी सम्मेलन पर हमारे अपने राज्यपाल श्री केशरीनाथ जी त्रिपाठी की विशेष कृपा रही है। समय-समय पर उनका सानिध्य एवं मार्गदर्शन हमें मिलता रहता है। मैं उन्हें प्रणाम करते हुए राज्यपाल जी का हार्दिक स्वागत करता हूँ।

मुझे सांसद एवं सन्मार्ग के यशस्वी सम्पादक श्री विवेक गुप्ता और हमारे प्रधान वक्ता एवं पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री सीताराम शर्मा का स्वागत करते हुए हार्दिक खुशी हो रही है।

मारवाड़ी समाज में पिछले कई दशकों में एक भारी बदलाव आया है। शिक्षा, साहित्य, संस्कृति के साथ-साथ व्यापार उद्योग में सुखद परिवर्तन घटा है, लेकिन सामाजिक एवं नैतिक मूल्यों में गिरावट एक चिन्ता का विषय है। हम सामाजिक कुरीतियों के विचारों से स्वतंत्र नहीं हो पा रहे हैं। आज होनहार युवा वर्ग में आदर्श की, सत्यनिष्ठा की, आचरण की कमी दिखायी देती है।

मारवाड़ी समाज आढ़ती-दुकानदार-व्यापारी से आगे बढ़कर कल-कारखानों का मालिक, राष्ट्रीय-अन्तर्राष्ट्रीय स्तर का उद्योगपति बना है।

सम्मेलन एक विचार संस्था है एवं समाज को अपने कर्त्तव्य एवं उत्तरदायित्व का युगबोध कराता रहा है। गतिशील विश्व में हम सामाजिक गतिहीनता में नहीं रह सकते। सम्मेलन के मुख्य उद्देश्य हैं – राष्ट्रीय एकता तथा प्रगति, सामाजिक समरसता एवं समाज सुधार।

आप अभिभावक विद्वानों के विचार, परामर्श एवं दिशा-निर्देश समाज को प्रगति के पथ पर अग्रसर करेंगे एवं नई सोच, नये कार्यक्रम एवं एक नई रफ्तार प्रदान करेंगे। एक बार फिर आप सभी का स्वागत, धन्यवाद!

समाचार सार

'पांचजन्य' साप्ताहिक का जैथलियाजी पर केन्द्रित अंक लोकार्पित

अक्षर सा खरा व्यक्तित्व था जुगलजी का : हितेश शंकर

'विचार को जीवन में उतारने वाले प्रतीक पुरुष थे जुगलजी। अक्षर सा खरा व्यक्तित्व था उनका। चिन्तन एवं क्रियान्वयन (थॉट एंड एक्शन) स्कूल के संवाहक थे जुगल जी। रा. स्व. संघ से प्राप्त अनुशासन एवं राष्ट्र एवं समाज के लिए कुछ करने का संकल्प उनकी सबसे बड़ी प्रेरणा थी।' ये विचार हैं 'पांचजन्य' साप्ताहिक के संपादक **श्री हितेश शंकर** के, जो कोलकाता स्थित ओसवाल भवन सभागार में श्री बड़ाबाजार कुमारसभा पुस्तकालय की ओर से ३० दिसम्बर २०१७ को आयोजित एक विशेष समारोह **'अपना काम देश के नाम'** में बतौर प्रधान वक्ता बोल रहे थे। इस समारोह में **स्व. जुगल किशोर जैथलिया** पर केन्द्रित **'पांचजन्य'** साप्ताहिक के ७ जनवरी २०१८ अंक **'कर्मपथ के पथिक'** का लोकार्पण प्रख्यात आयकर सलाहकार **श्री सज्जन तुल्स्यान** ने किया। उन्होंने कहा कि व्याख्यान का विषय 'अपना काम देश के नाम' जुगल जी के व्यक्तित्व एवं कर्तृत्व से जुड़कर अपनी सार्थकता पाता है।

अपने अध्यक्षीय भाषण में **श्री सज्जनकुमार तुल्स्यान** ने कहा कि जुगलजी दूरदर्शी व्यक्ति थे। उनकी राष्ट्रनिष्ठा अनुकरणीय है। मुख्य अतिथि **श्री प्रकाश बेताला** ने कहा कि वे मेरे जैसे अनेक कार्यकर्ताओं के प्रेरणास्रोत थे। अपने स्वागत भाषण में कुमारसभा

लोकार्पण समारोह में (बायें से) श्रीमती स्नेहलता बैद, श्री महावीर बजाज, श्री प्रकाश बेताला, श्री सज्जन कुमार तुलस्यान, श्री हितेश शंकर, डॉ. प्रेमशंकर त्रिपाठी एवं श्री सरदारमल कांकरिया।

के **अध्यक्ष डॉ. प्रेमशंकर त्रिपाठी** ने कहा कि जुगलजी पृष्ठभूमि में रहकर योग्यतानुसार कार्यकर्त्ताओं को दायित्व सौंपते थे। उन्होंने कार्यकर्त्ता निर्माण का महत्त्वपूर्ण काम किया।

प्रभात खबर के संपादक **श्री तारकेश्वर मिश्र** ने जुगलजी का स्मरण करते हुए दो पंक्तियाँ कहीं– **'कुछ लोग है जो वक्त के साँचे में ढल गए/कुछ लोग हैं जो वक्त का साँचा बदल गए।' श्री रुगलाल सुराना, श्री सरदारमल कांकरिया, श्री सुशील ओझा एवं** वरिष्ठ साहित्यकार **श्रीयुक्त श्रीनिवास शर्मा** ने भी श्रद्धांजली देते हुए अपने विचार व्यक्त किये।

समारोह के प्रधान वक्ता एवं सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री सीताराम शर्मा के वक्तव्य से उद्धृत

सहृदय कविवर राज्यपाल जी बंगाल में अभिभावक के रूप में उभरे हैं और जिन दो समुदाओं को सबसे अधिक उनका स्नेह एवं प्यार मिला है – पहला बंगाल के कवियों एवं साहित्यकारों को और दूसरा हम कह सकते हैं मारवाड़ी समाज को – हम इनके हृदय से अत्यन्त आभारी हैं।

मैं आदरणीय प्रणव बाबू के विषय में कहना चाहता हूँ कि मारवाड़ी सम्मेलन की वर्षों से इच्छा रही है कि प्रणव बाबू हमारे बीच पधारें और उनके विचारों एवं मार्गदर्शन से हम लाभान्वित हो सके। आज हमारी यह इच्छा पूर्ण हुई है, हम आपके आभारी है। मैं समझता हूँ कि यह पहला अवसर है जब प्रणव बाबू मारवाड़ी समाज के एक राष्ट्रीय सम्मेलन में पधारे हैं एवं पूर्ण समाज को सम्बोधित कर रहे हैं।

मारवाड़ी समाज और बंगाल का एक पुराना, महत्वपूर्ण और गहरा संबंध रहा है। चाहे वह स्वामी विवेकानन्द और खेतड़ी महाराज का हो या सत्यजीत रे का सोनार किल्ला हो। आज भी राजस्थान में बंगाली पर्यटकों की संख्या सबसे अधिक है।

मारवाड़ी समाज के सब बड़े व्यावसायिक घरानों का आरम्भ कलकत्ता-बंगाल से रहा है जो ब्रिटिश भारत की राजधानी थी और देश का सबसे उन्नत व्यवसायिक ही नहीं, ज्ञान-विज्ञान, साहित्य-संस्कृति का केन्द्र था। देश के हर कोने में बंगाली डॉक्टर, बंगाली वकील और स्टेशन मास्टर प्रसिद्ध थे।

चाहे वे घर बिड़ला, बांगड़, जटिया, बाजोरिया, जालान, गोयनका, सिंघानिया, पोद्दार - सबका आरम्भ कलकत्ता बंगाल से हुआ है। १९१५ में घनश्याम दास बिड़ला भी २१ वर्ष की आयु में पहली बार गांधीजी से कलकत्ता में ही मिले थे।

मारवाड़ी शब्द की प्रसिद्धि भी बंगाल से हुई। सन् १५६४ में जब सुलेमान किरानी बंगाल में राज्य करता था तब से बंगाल में मारवाड़ी शब्द का प्रयोग मिलता है। सन् १६०५ में राजा मानसिंह अकबर के मंत्री के रूप में बंगाल आये।

कलकत्ता के संस्थापक जॉब चार्नक ने लिखा है – हिन्दुस्तान में एक मारवाड़ी जाति ही ऐसी है जो व्यापार में दक्ष और ईमानदार है।

व्यवसाय ही नहीं शिक्षा, राजनीति एवं साहित्य में भी बंगाल का मारवाड़ियों पर विशेष प्रभाव रहा है। १८९० में दो मारवाड़ी युवक – इन्द्रचन्द दुधोदिया एवं इन्द्रचन्द नाहटा बिलायत पढ़ने गये। १९२८ के गजट में यह प्रकाशित है कि कलकत्ता की इन्दुमती गोयनका पहली मारवाड़ी महिला थी जो आजादी के लिये सत्याग्रह में जेल गयी।

सर आशुतोष मुखर्जी ने ही काली प्रसाद खेतान की विद्वता से प्रभावित होकर उन्हें विलायत जाकर बैरिस्टर बनने के लिए प्रेरित किया। बाद में वे १९४५ में बंगाल के एडवोकेट जनरल बने। साहित्य के क्षेत्र में राजस्थानी भाषा के रविन्द्रनाथ टैगोर पदम्श्री कन्हैयालाल जी सेठिया भी कलकत्ता से ही थे।

कलकत्ता के सेठ नौरंग राय खेतान १८७४ में सम्भवतः प्रथम मेट्रिक पास मारवाड़ी थे।

१९०५ में कलकत्ता के नागरमल लीला का विधवा से विवाह हुआ तो बवाल मच गया था।

१९०८ में मारवाड़ियों ने वैवाहिक सुधार को लेकर जयनारायण पोद्दार के सभापतित्व में २५ नियम बनाये। बाद में मारवाड़ी एसोसिएशन की स्थापना हुई। जिसको बाद में विधान सभा में सदस्य नामजद का अधिकार था।

मारवाड़ी सम्मेलन के समाज सुधार कार्यक्रम चाहे पर्दा-प्रथा हो या नारी शिक्षा, उसकी प्रेरणा राजा राममोहन राय एवं ईश्वरचन्द विद्यासागर से मिली।

आपकी मान्यताएँ आपके विचार बन जाते हैं, आपके विचार आपके शब्द बन जाते हैं, आपके शब्द आपके कार्य बन जाते हैं, आपके कार्य आपकी आदत बन जाते हैं, आपकी आदतें आपके मूल्य बन जाते हैं, आपके मूल्य आपकी नियति बन जाते हैं। – महात्मा गाँधी

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के सभी सदस्यों के सादर सूचनार्थ

आगामी सत्र हेतु राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव

मान्यवर,

सम्मेलन की राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की गत ०९ दिसम्बर २०१७ को कोलकाता में आयोजित बैठक में सर्वसम्मति से लिए गए निर्णय के अनुसार, आगामी सत्र हेतु राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव के लिए प्रक्रिया प्रारम्भ कर दी गई है।

उक्त बैठक में ही सर्वसम्मति से श्री नंदलाल सिंघानिया (अधिवक्ता) को चुनाव अधिकारी और राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री संजय हरलालका को सहायक चुनाव अधिकारी मनोनीत किया गया है और चुनाव हेतु नियमावली तय की गई है।

इस संबंध में चुनाव अधिकारी द्वारा सभी प्रादेशिक अध्यक्षों को पत्र लिखा गया है जो नीचे प्रकाशित किया जा रहा है।

शिव कुमार लोहिया, राष्ट्रीय महामंत्री

स्थापित १९३५ फोन: (०३३) ४००४ ४०८९ ई-मेल: aimf1935@gmail.com वेबसाईट: www.marwarisammelan.com

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन
ALL INDIA MARWARI FEDERATION
(Regd. under W.B. Societies Act XXVI of 1961)
४बी, डकबैक हाउस (चौथा तल्ला), ४१, शेक्सपीयर सरणी, कोलकाता-७०० ०१७
4B, Duckback House (4th Floor), 41, Shakespeare Sarani, Kolkata - 700 017

प्रमुख उद्देश्य
समाज सुधार, समरसता, राजनैतिक चेतना एवं राष्ट्रीय एकता

राष्ट्रीय अध्यक्ष
प्रहलाद राय अगरवाला
9830079111
राष्ट्रीय उपाध्यक्ष
संतोष सराफ
9830021319
सुरेन्द्र लाठ
9437488822
राज कुमार पुरोहित
9821243352
ओंकारमल अगरवाला
9435168386
कमल नोपानी
9431018530
अनिल कुमार जाजोदिया
9415201641
राष्ट्रीय महामंत्री
शिव कुमार लोहिया
9830553456
राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री
दिनेश कुमार जैन
9831004542
दामोदर प्रसाद बिदावतका
9331015088
राष्ट्रीय संगठन मंत्री
संजय हरलालका
9804154115
राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष
कैलाशपति तोदी
9830044079

प्रादेशिक शाखा सम्मेलन
बिहार, झारखण्ड, पश्चिम बंग, उत्कल, पूर्वांचल, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, उत्तराखण्ड, मध्य प्रदेश, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, कर्नाटक एवं गुजरात।

सम्मेलन भवन
२५ए, राजा राममोहन राय सरणी
(अपर्स स्ट्रीट)
कोलकाता-७०० ००९
फोन :(०३३) २३५० ९९२९

Contribution exempted under Section 80G of Income Tax Act

अ.भा.मा.स./४०/२०१७-१८ ०८ जनवरी २०१८

सभी प्रादेशिक अध्यक्षों / महामंत्रियों के सादर ध्यानार्थ

आगामी सत्र हेतु राष्ट्रीय अध्यक्ष का निर्वाचन

महोदय,

अखिल भारतीय समिति की आगामी बैठक में अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के नये सत्र के लिये राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव सम्पन्न होगा।

राष्ट्रीय अध्यक्ष का निर्वाचन सम्मेलन की संविधान की धारा १५ के प्रावधानों के अन्तर्गत किया जाएगा जो निम्नवत हैं:

१. प्रादेशिक सम्मेलनों से अधिवेशन की तिथि से कम से कम २ मास पूर्व नये सत्र के राष्ट्रीय अध्यक्ष के नाम के लिये सुझाव माँगे जायेंगे। कम से कम तीन प्रांतों (प्रादेशिक सम्मेलनों) द्वारा समर्थित सुझावों को ही अखिल भारतीय समिति के सम्मुख प्रस्तुत किया जायेगा।

२. अखिल भारतीय समिति आये हुए सुझावों के आधार पर सम्मेलन के साधारण अधिवेशन की तिथि से कम से कम एक महीने पहले सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव करेगी।

३. किसी कारणवश यदि निर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष पद ग्रहण न कर सकें तो अखिल भारतीय समिति को अधिकार होगा कि किसी दूसरे सज्जन को, जो सम्मेलन का सदस्य हो, किसी भी समय राष्ट्रीय अध्यक्ष निर्वाचित कर ले। सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष ही साधारण एवं विशेष अधिवेशन के अध्यक्ष होंगे।

४. राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव की पद्धति अखिल भारतीय समिति अथवा राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति द्वारा बनाये हुए नियमों के अनुसार होगी। चुनाव संचालन हेतु राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति एक चुनाव अधिकारी नियुक्त करेगी।

...२

पंजीकृत कार्यालय: १५२बी (दूसरा तल्ला), महात्मा गांधी रोड, कोलकाता-७०० ००७
फोन : (०३३) २२६८ ०३१९

२

गत ९ दिसम्बर २०१७ को सम्मेलन की राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की बैठक में अध्यक्ष के चुनाव हेतु नियमावली, सर्वसम्मति से, स्वीकृत की गयी। स्वीकृत नियमावली संलग्न है।

उक्त धारा १५(१) के अनुसार, इस पत्र के माध्यम से आपके प्रादेशिक सम्मेलन से नये सत्र के अध्यक्ष के नाम के लिए सुझाव आमंत्रित किया जा रहा है। प्रेषित सुझावों को चुनाव अधिकारी द्वारा अखिल भारतीय समिति की आगामी बैठक में प्रस्तुत किया जायेगा एवं तदनुसार अध्यक्ष का निर्वाचन सम्पन्न होगा।

आपसे सादर अनुरोध है कि आपका सुझाव सोमवार, १२ फरवरी २०१८ तक नीचे दिये पते पर अवश्य प्राप्त हो जाये, ऐसी व्यवस्था करने की कृपा करें।

Singhania & Company Advocates
7B, Kiran Shankar Roy Road,
Kolkata – 700 001
Cell No. : 98316 81947
Email: nlsinghania44@gmail.com

धन्यवाद सहित....

आपका,

(नंदलाल सिंघानिया)
चुनाव अधिकारी

प्रतिलिपि: सभी राष्ट्रीय उपाध्यक्षगण

संलग्नक: चुनाव संबंधी नियमावली

राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव हेतु नियमावली

(०९ दिसम्बर २०१७ को आयोजित राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की बैठक में पारित)

१. प्रत्येक प्रांतीय सम्मेलन एक ही व्यक्ति का नाम प्रस्तावित कर सकेगा। एक से अधिक नाम प्राप्त होने पर उस प्रदेश से आये हुए नामों पर विचार नहीं किया जाएगा।

२. प्रांतीय अध्यक्ष द्वारा हस्ताक्षरित प्रस्ताव/सुझाव ही मान्य होगा।

३. प्रस्ताव पहुँचने की अंतिम तिथि १२ फरवरी २०१८ है। उसके बाद प्राप्त नामों पर विचार नहीं किया जाएगा।

४. उपस्थित अखिल भारतीय समिति के सदस्य ही राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के निर्वाचन में मतदान कर सकेंगे। वे मतदान स्थल पर अपना फोटोयुक्त पहचान पत्र यथा पैन कार्ड, वोटर पहचान पत्र, पासपोर्ट, ड्राइविंग लाइसेंस में से कोई एक प्रस्तुत कर मतदान कर सकेंगे। एक सदस्य को एक ही वोट देने का अधिकार होगा।

५. जिस सदस्य का अखिल भारतीय समिति के वर्तमान सत्र का सदस्यता शुल्क (जो प्रति सत्र २०० रुपया है) बकाया होगा, वे उसका भुगतान करके ही मतदान में भाग ले सकेंगे। यह शुल्क सम्मेलन के केन्द्रीय कार्यालय में कभी भी जमा कराया जा सकता है। साथ ही, मतदानस्थल पर भी यह शुल्क जमा कराने की सुविधा उपलब्ध होगी।

IISD Edu World
Be a Leader...

SREI Foundation

"Educate Morally & Technically" — Swami Vivekananda

Swami Vivekananda SREI Merit Scholarship upto 100% Quality Education at most affordable fees

Hospitality

Hospitality Management & Culinary Arts

Newly Introduced

BTED – HND in Hospitality Management

awarded by EDEXCEL, UK (A Pearson Global Education Undertaking)

Language School

- Functional English
- Spanish
- Russian
- Chinese
- French
- Hindi
- SANSKRIT
- Spoken English
- Italian
- German
- Persian
- Bahasa (Indonesia)
- Bengali

Assistance for placement

- Complementary Spoken English
- Online Application Facility
- Regular / Weekend Classes
- AC Classrooms
- P G Accommodation

Centre for Administrative Services / WBCS

Course Director: Dr.Bikram Sarkar (IAS retd.)

- Indian Administrative Service (IAS) and Allied Services Examinations (Prelim and Main)
- WBCS (Executive) and Judicial Services Examinations (Prelim and Main)

Health Care

Preparatory course for Joint Entrance of MD/MS, DNB and MRCP (Part-I) Medicine

"Family Medicine Certificate Course (First Aid)

Business School

- AIMA recognized PGDM (2Yrs.)
- Tally ERP 9+GST
- Company Secretaryship
- Chartered Accountancy (CPT, IPCC & Final)
- Entrepreneurship Development
- Diploma in Banking and Finance

Skills

- Web Technology
- Certificate course on Theology
- Soft Skills
- Vocational & Technical Training
- Montessori Teacher Training (1 Year Diploma)
- Certificate Course on Computer Applications
- School Guide
- Bachelor Guide

IISD EDU World

IB-200/1, Sector-III, Salt Lake, Kolkata - 700 106
Ph : 2335 2378/2861, Fax : 2335 2379
E-Mail : info@iisdedu.in ● Website : www.iisdedu.in

18, Ballygunge Circular Road, Kolkata-700019
Website : www.iisdeduworld.com
Email : iisdedu@gmail.com
Ph : 46001626 / 27

TITAGARH WAGONS LIMITED

Titagarh Towers, 756 Anandapur, EM Bypass, Kolkata 700 107
Tel.: +91 33 4019 0800 • Email:corp@titagarh.in
website: www.titagarh.in • www.titagarh.fr • www.titagarh.it

HIGH SPEED ELECTRICAL

LOCO : DHC LOCOMOTIVE

ELECTRICAL LOCO

SINGLE-DECKER EMU

STANDARD METRO

DOUBLE DECK EMU

SHUTTLE FOR CHANNEL TUNNEL

53 M3 EX HOPPER WAGON

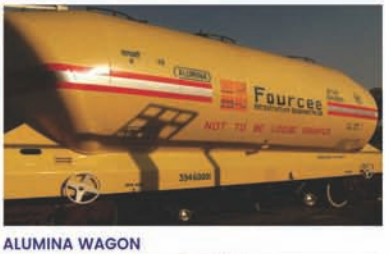

ALUMINA WAGON

FLAT CONTAINER CARRYING

CAR CARRYING WAGON

SINGLE DECK COACH

PILOT CUM SURVEY VESSEL

BULK CARRIER

INDIAN NAVY BARGE

Congratulations

All India Marwari Federation

on

rd

Anniversary!

vikram

vikramindia

vikramsolar™

CREATING CLIMATE FOR CHANGE

Regd. Office: **Tobacco House, 1 Old Court House Corner, Kolkata-700 001** | Phone: **033 22307299**

Email: **info@vikram.in** | website: **www.vikramindia.in**

CENTURYPLY®

CENTURYPLY®
CENTURYLAMINATES®
CENTURYVENEERS®
CENTURYPRELAM®
CENTURYMDF®
CENTURYDOORS™

zykron
FIBRE CEMENT BOARDS & PLANKS

STARKE™
NEW AGE PANELS

SAINIK
PLYWOOD
HAMESHA TAIYYAR

For any queries, **SMS 'PLY'** to **54646** or call us on **1800-2000-440** or give a missed call on **080-1000-5555**
E-mail: **kolkata@centuryply.com** | CenturyPlyOfficial | CenturyPlyIndia | YouTube Centuryply1986 | Visit us: **www.centuryply.com**

Over ₹1,50,000 crores
worth of disbursements made.

Over ₹40,000 crores
worth of assets under management.

Over 72,000
entrepreneurs empowered.

Only 1 name
partnering with India's dream
towards a better future.

Kanoria Foundation
WORK WITH DEVOTION

SREI
Together We Make Tomorrow Happen

www.srei.com

Srei Infrastructure Finance Limited
Srei Equipment Finance Limited

INFRASTRUCTURE PROJECT FINANCE, ADVISORY AND DEVELOPMENT | INFRASTRUCTURE EQUIPMENT FINANCE
ALTERNATIVE INVESTMENT FUND | CAPITAL MARKET | INSURANCE BROKING

राजनीति में भी सक्रिय हों मारवाड़ी : मंत्री सुशान्त सिंह
सामाजिक क्षेत्र में मारवाड़ियों की पहचान वैश्विक : विधायक नव किशोर दास

• नये प्रांतीय अध्यक्ष अशोक कुमार जालान ने पदभार ग्रहण किया

उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन, ओडिशा का चतुर्दशम प्रांतीय अधिवेशन 'उदय २०१७ - परिवर्तन की ओर' १६ दिसम्बर २०१७ को झारसुगुड़ा शहर में सम्पन्न हुआ। प्रांतीय अध्यक्ष **श्री श्याम सुन्दर अग्रवाल** की अध्यक्षता एवं झारसुगुड़ा शाखा के आतिथ्य में शाखा अध्यक्ष **श्री पवन शाह** एवं सचिव **श्री संजय लोधा** के नेतृत्व में ये कार्यक्रम स्थानीय मेघदूत होटल में आयोजित किया गया। प्रांत के विभिन्न स्थानों से आए ३०० से ज्यादा लोगों ने इस आयोजन में भाग लिया।

उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में **स्थानीय विधायक श्री नव किशोर दास** ने मारवाड़ी समाज की प्रशंसा करते हुए कहा कि **पूरे विश्व में सामाजिक कार्यों के क्षेत्र में इस समाज की विशेष पहचान है।** अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष **श्री संतोष सराफ** एवं राष्ट्रीय महामंत्री **श्री शिव कुमार लोहिया** ने भी समाज की विभिन्न चुनौतियों एवं संगठन की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। युवा मंच के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं प्रांतीय सम्मेलन के संविधान समिति के चेयरमेन **श्री जितेन्द्र गुप्ता** तथा उत्कल प्रांतीय युवा मंच के वर्तमान अध्यक्ष **श्री मधुसूदन शर्मा** एवं अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन की राष्ट्रीय सचिव **श्रीमती सुषमा अग्रवाल** ने भी विशिष्ट अतिथि के रूप में अपने संबोधन के माध्यम से समाज के विभिन्न कार्यों एवं जरूरतों पर अपने-अपने विचार रखे। प्रांतीय महामंत्री **श्री जगदीश गोलपुरिया** ने प्रांत के द्वारा किए गए विभिन्न कार्यक्रमों की विवरणी पेश की।

उद्घाटन सत्र के बाद प्रतिनिधि सभा एवं परिचर्चा का सत्र चला जो कि दोपहर के बाद भी खुले सत्र के रूप में चालू रहा और बहुत लोगों ने विभिन्न सामाजिक विषयों पर अपने-अपने विचार एवं सुझाव रखे। अपराह्न समापन सत्र में **ओडिशा के श्रम मंत्री श्री सुशांत सिंह** ने मुख्य अतिथि के रूप में योगदान देते हुए मारवाड़ी समाज द्वारा किए जाने वाले **सामाजिक कार्यों की काफी सराहना की तथा इनसे राजनीति के क्षेत्र में भी अपनी सेवाएँ देने का आह्वान किया।** प्रांतीय अध्यक्ष श्री श्याम सुन्दर अग्रवाल द्वारा विभिन्न शाखाओं एवं सक्रिय सदस्यों को उनकी उपलब्धियों के लिए स्मृति चिन्ह से सम्मानित किया गया तथा कई वरिष्ठ नागरिकों का भी सम्मान किया गया।

समापन सभा में उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन, ओडिशा की राज्य परिषद द्वारा मनोनित मुख्य चुनाव अधिकारी एवं पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष **श्री नकुल अग्रवाल** ने अपने सहयोगी चुनाव अधिकारी एवं पूर्व प्रांतीय युवा

मंच अध्यक्ष **श्री रिंकू अग्रवाल** के साथ चुनाव समिति की रिपोर्ट देते हुए सत्र २०१८-२० के लिए नूतन प्रांतीय अध्यक्ष के रूप में सम्बलपुर निवासी **श्री अशोक कुमार जालान** के निर्विरोध चुने जाने की घोषणा की एवं उन्हें प्रमाणपत्र भी प्रदान किया। राष्ट्रीय महामंत्री श्री शिव कुमार लोहिया के द्वारा शपथ पाठ कराने के बाद उन्होंने प्रादेशिक अध्यक्ष का पदभार ग्रहण किया।

६५ वर्षीय श्री जालान एक सिविल इंजिनियर, एक जाना माना सामाजिक व्यक्तित्व, पूर्व लायन्स डिस्ट्रिक्ट गवर्नर एवं अशोक जालान ग्रुप कंपनीज - ओडिसी मोटर्स, जालान ऑटोमोबाइल्स तथा ओरिएंट कन्स्ट्रक्शन्स आदि के चेयरमैन हैं। वे अशोक जालान फाउन्डेशन (AKF) सम्बलपुर के भी चेयरमैन हैं जो जनसेवा के विभिन्न कार्य पूरे पश्चिम ओडिशा की ज्यादातर जगहों पर कर रही है। इसके साथ वे उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय उपाध्यक्ष, संविधान कमिटि चेयरमेन, शिक्षा कोष के चेयरमेन एवं इसकी द्विमासिक पत्रिका झलक के सम्पादक के रूप में भी कार्य करते रहे हैं।

श्री जालान ने अपने प्रथम अध्यक्षीय उद्बोधन में सबका हार्दिक आभार प्रकट करते हुए यथाशक्ति, यथासम्भव सभी वर्ग के लोगों, युवाशक्ति एवं मातृशक्ति को साथ लेकर सामाजिक उद्देश्यों को एवं उपेक्षाओं को पूरा करने के पूर्ण प्रयास का आश्वासन दिया तथा अपने फाउन्डेशन की ओर से सम्मेलन के शिक्षा विकास ट्रस्ट के द्वारा सम्बलपुर में एक छात्रावास बनाने के प्रकल्प के लिए आधा एकड़ जमीन देने की घोषणा की। उन्होंने **श्री विजय केडिया** को प्रांतीय महामंत्री एवं **श्री सज्जन जी भूत** को प्रांतीय कोषाध्यक्ष बनाने की भी घोषणा करते हुए उनका अभिनन्दन किया।

अधिवेशन की समाप्ति शाम को बड़े ही सरस सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ हुई।

श्री जालान का अभिनन्दन

चतुर्दशम प्रांतीय अधिवेशन, झारसुगुड़ा में १६ दिसम्बर २०१७ को सम्बलपुर निवासी ई. अशोक कुमार जालान के निर्विरोध प्रांतीय अध्यक्ष चुने जाने पर उत्कल प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन, संबलपुर शाखा द्वारा एक अभिनन्दन समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि सम्बलपुर **विधायिका डॉ. राशेश्वरी पाणीग्राही** एवं सम्माननीय अतिथि **डॉ. आदित्य पाढ़ी** थे और दोनों ही अतिथियों ने जालान जी द्वारा चलाए जा रहे सामाजिक कार्यों की भूरि भूरि प्रशंसा की।

समारोह में श्री जालान के गौरवपूर्ण उपलब्धियों एवं उत्तरोत्तर सफलताओं के लिए ढेर सारी बधाईयाँ अनेक संस्थाओं द्वारा दी गई जिनमें प्रमुख रूप से उत्सर्ग, सम्बल, ओडिशा सांस्कृतिक समाज, लायंस क्लब, रोटरी क्लब, ब्राह्मण समाज, चेंबर ऑफ कॉमर्स, मारवाड़ी युवा मंच, महिला समिति, ईशा योग, अग्रवाल सम्मेलन, विसुट एल्मुनी एसोसिएशन, भोजपुरी समाज, गुजराती समाज, बार एसोसिएशन, माहेश्वरी समाज, बंगाली समाज, जेसीआई, सोशल स्टार क्लब, कृषक संगठन, बुरला क्लब, कौशल व्यवसायी संघ, समलेश्वरी युवक संघ, आदि संस्थाएँ शामिल थी।

समारोह में युवा मंच के प्रांतीय अध्यक्ष श्री मधूसूदन शर्मा एवं बलांगीर से पधारे सम्मेलन के पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष श्री नकुल अग्रवाल, सर्वश्री गौरी शंकर अग्रवाल, मनोज जैन, मोती लालजी, जगदीश गोलपुरिया आदि की विशेष उपस्थिति रही।

अन्य गणमान्य व्यक्तियों में सर्वश्री सुरेश पुजारी, सुरेन्द्र लाठ, प्रफुल्ल होता, सुधीर पुजारी, रघुनाथ मिश्रा, जसबीर सिंग हुरा, अशोक बेरिहा, अरुण मुखर्जी, डॉ. अशोक सिंह, पुरुषोत्तम अग्रवाल, दामोदर कर, शंभु जगतरामका, गोविंद अग्रवाल, मांगेलाल अग्रवाल, केशव डालमिया, ज्ञान अग्रवाल, मंगतू अग्रवाल, चंद्र कुमार सराफ, सज्जन भूत, आदि ने भी जालान जी का अभिनन्दन किया। बैठक की अध्यक्षता श्री विजय केडिया ने की एवं संचालन श्री दिनेश अग्रवाल ने किया। अंत में श्री नटवर लोहिया ने धन्यवाद प्रस्ताव दिया।

साक्षात्कार

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन पूरे समाज को गोष्ठी के जरिये मार्गदर्शन करने के साथ-साथ समाज की कुरीतियाँ जैसे, बाल-विवाह, विधवा विवाह, नारी शिक्षा, दहेज प्रथा, अन्य अंधविश्वास आदि को जागरुकता के जरिये खत्म कर रहा है।

आनेवाले दिनों में सम्मेलन विभिन्न क्षेत्र में होने वाले फिजूलखर्च को बंद करने, धार्मिक आडंबर, पारिवारिक विघटन को बचाने, सभ्यता एवं संस्कृति की रक्षा के लिए जनजागरण, जरुरतमंदों को शिक्षा, स्वास्थ्य एवं रोजगार के क्षेत्र में मदद करने, पर्यावरण की रक्षा करने, भुवनेश्वर एवं संबलपुर में छात्रावास निर्माण करने, अस्पताल में अटेन्डेन्ट्स के लिए सेवा भवन का निर्माण करने जैसे कार्य शुरु करने की योजना है। यह बात राजधानी में **दैनिक जागरण** से विशेष बातचीत में उत्कल प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के नवनियुक्त अध्यक्ष इंजीनियर **अशोक कुमार जालान** ने कही। उन्होंने बताया कि उत्कल प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन की राज्य में ५३ शाखाएँ हैं और इनमें १० हजार से अधिक सदस्य विभिन्न सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय हैं। मारवाड़ी महिला सम्मेलन एवं युवा मंच हमारे अभिन्न अंग हैं। इसी के तहत भुवनेश्वर एवं संबलपुर में हम छात्रावास बनाने जा रहे हैं।

संक्षिप्त परिचय : श्री अशोक कुमार जालान

संस्थापक अध्यक्ष : ओडिशा हयुम पाईप्स मैनुफैक्चरिंग एसोसिएशन; भूतपूर्व संयुक्त मंत्री : बिल्डर्स एसोसिएशन आफ इंडिया, ओडिशा चैप्टर; भूतपूर्व मंत्री : ओडिशा कंट्रैक्टर्स एसोसिएशन; भूतपूर्व अध्यक्ष : लायंस क्लब ऑफ संबलपूर (१९८४-८५); भूतपूर्व अध्यक्ष : सम्लेश्वरी कॉलेज गर्वनिंग बॉडी, संबलपूर; भूतपूर्व उपाध्यक्ष : ओडिशा आटोमोबाईल्स डीलर्स एसोसिएशन; भूतपूर्व उपाध्यक्ष : संबलपूर चैम्बर ऑफ कामर्स एण्ड इंडस्ट्रीज; फेलो : इंस्टिट्युशन ऑफ इंजिनियर्स (इंडिया); आजीवन सदस्य : इंडियन रोड कांग्रेस, न्यु दिल्ली, आई एस के सी ओ एन एस; सदस्य : भुवनेश्वर क्लब लि., महानदी गोल्फ क्लब, एम सी एल, बूरला, महानदी क्लब, संबलपूर; ट्रस्टी : हिन्दी हाई स्कूल ट्रस्ट, संबलपुर, बालिका विद्यालय कमिटी, तराजपुर; भूतपूर्व जिला गवर्नर : लायंस क्लब इंटरनेशनल, डिस्ट्रिक्ट ३२२ (२०१४-१५)।

पुरस्कार : स्टेट अवार्ड फार बेस्ट स्माल इंडस्ट्री–१९८८, रेलवे प्रोफिसियेंसी मेडल अवार्डेड बाई डी आर एम, संबलपूर–२००२, भामाशाह अवार्ड बाई कॉनफेडेरेशन आफ आल इंडिया ट्रेडर, न्यु दिल्ली-२०१५, युवा शक्ति अवार्ड बाई यूथ हास्टॅल एसोसिएशन आफ इंडिया, ओडिशा स्टेट ब्रांच–२०१५।

राज्यपाल मृदुला सिन्हा ने किया मारवाड़ी युवा मंच के स्वच्छता अभियान का लोकार्पण

गोवा की महामहिम राज्यपाल **श्रीमती मृदुला सिन्हा**, ने वाराणसी में ६ जनवरी २०१८ को मारवाड़ी युवा मंच के स्वच्छता अभियान का लोकार्पण किया। श्रीमती सिन्हा ने अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच को अपना स्वच्छता दूत मनोनीत करते हुए देश के सभी नागरिकों से स्वच्छता को शीर्ष प्राथमिकता प्रदान करने की अपील की और कहा कि भारत जैसे विशाल देश को स्वयं गंदगी न करके ही स्वच्छ रखा जा सकता है। स्वच्छता को प्रगति का आधार बताते हुए उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति ने सदैव ही स्वच्छता को विशेष महत्व दिया है। हमारे हर संस्कार, रीति रिवाज में स्वयं की और अपने चारों ओर की स्वच्छता पर बल दिया गया है। **यह भी निश्चित है कि एक दिन की सफाई से अपना कर्तव्य पूरा नहीं होगा, हमें स्वच्छता को अपनी जीवन शैली का अंग बनाना होगा।**

स्थानीय मारवाड़ी युवक संघ भवन में आयोजित इस समारोह के प्रारंभ में मारवाड़ी युवा मंच की वाराणसी की सभी छः शाखाओं, मारवाड़ी युवक संघ, मारवाड़ी सम्मेलन, माहेश्वरी परिषद एवं अन्य सामाजिक संस्थाओं की ओर से श्रीमती मृदुला सिन्हा का सामाजिक अभिनन्दन किया गया।

अभिनन्दन कार्य में मारवाड़ी युवक संघ के **विजय मोदी**, **श्री पवन अग्रवाल**, मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष **श्री उमाशंकर अग्रवाल**, वाराणसी अध्यक्ष **श्री श्रीनारायण खेमका**, वाराणसी मंत्री **श्री अनिल अग्रवाल** एवं वाराणसी की युवा मंच शाखाओं के अध्यक्ष **श्री अभय अग्रवाल**, **श्री प्रतीक केड़िया**, **श्री आशुतोष अग्रवाल**, **श्रीमती नीतू मुरारका**, **श्रीमती पूजा लोहिया** व **श्रीमती शीला जैपुरिया** आदि सम्मिलित रहीं।

मारवाड़ी युवा मंच के ५ सूत्री राष्ट्रीय स्वच्छता अभियान को प्रस्तुत करते हुए युवा मंच के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री अनिल के. जाजोदिया** ने बताया कि स्वच्छता मिशन के विशाल लक्ष्य को पूरा करने के लिए पूरे अभियान को पाँच सूत्रों – संकल्प, सम्पर्क, सम्बल, गौरव व सम्मान में बाँटा जाना चाहिए।

दीप प्रज्ज्वलित कर श्रीमती मृदुला सिन्हा ने स्वच्छता अभियान का शुभारंभ किया। कार्यक्रम के दौरान अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री रवि अग्रवाल** (दिल्ली) एवं राष्ट्रीय स्वच्छता अभियान संयोजक **श्री सुभाष चंद्र वर्मा** (बिहार) के संदेश भी पढ़े गए। 'संकल्प अभियान' के अन्तर्गत सभी उपस्थित व्यक्तियों ने स्वच्छता शपथ ली और संकल्प पत्र पर हस्ताक्षर भी किया।

'सम्पर्क अभियान' के अन्तर्गत स्वच्छता अभियान से जुड़े तीन पोस्टरों का लोकार्पण भी श्रीमती मृदुला सिन्हा के कर-कमलों

से कराया गया। 'स्वच्छता सम्बल' योजना के अन्तर्गत प्रतीक डस्टबिनों का वितरण भी कराया गया जो नगर के १०० विभिन्न स्थानों पर शीघ्र ही स्थापित किए जायेंगे। इस कार्य का दायित्व वाराणसी की युवा मंच शाखाओं के सचिव श्री रघुदेव अग्रवाल, श्री हितेश मुरारका, श्रीमती रजनी कानोड़िया, श्रीमती किरण रतेरिया, श्रीमती अनिता मोरोलिया व श्री राकेश अग्रवाल आदि को दिया गया।

स्वच्छता गौरव सम्मान के अन्तर्गत नगर के पाँच सफाईकर्मी भाइ--बहनों को पुरस्कृत किया गया और उनकी इस बात के लिए विशेष सराहना की गई कि वे दिन-रात, मौसम, परेशानियों पर ध्यान दिए बिना अपनी जिम्मेदारियों का कुशलापूर्वक निर्वहन कर रहे हैं।

इस अवसर पर वाराणसी के स्वच्छ भारत मिशन में उल्लेखनीय योगदान हेतु सनबीम शिक्षण समूह के अध्यक्ष **श्री दीपक मधोक**, समाजसेवी **श्री अनूप सर्राफ**, **श्रीनगर कालोनी नागरिक समिति**, **मानस मण्डल महमूरगंज** आदि का सम्मान भी किया गया।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि गोवा की राज्यपाल श्रीमती मृदुला सिन्हा ने आगे कहा कि झाड़ू लगाने वाले का काम कम्प्यूट र चलाने से कम महत्वपूर्ण नहीं है। एक आदर्श समाज की स्थापना के लिए हमें सभी कामों को समान गौरव व पहचान देनी होगी। समाज में जब तक कामों को छोटा–बड़ा मानेंगे और उसी के आधार पर व्यक्तियों के मान-सम्मान में भेदभाव होगा, हमारा देश व समाज प्रगति नहीं कर सकेगा।

मारवाड़ी युवा मंच द्वारा स्वच्छता अभियान के अन्तर्गत सफाईकर्मियों के सम्मान की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि समाज के इस वर्ग को बराबरी का स्थान देकर हम रूढ़िवादिया के बड़े बंधन के तोड़ पा रहे हैं और यह देश की प्रगति के लिए अत्यन्त लाभकारी होगा। समाज व परिवार को बनाए रखने में महिलाओं का बड़ा योगदान है और इस आधी आबादी का संस्कार व संस्कृति के प्रसार में भी बड़ा योगदान है। स्वच्छता

अभियान में महिलाओं की सक्रियता की भी उन्होंने सराहना की। उन्होंने वाराणसी के महात्म्य पर बोलते हुए कहा कि इस पौराणिक नगर को और अधिक स्वच्छ बनाए रखने के लिए सभी को आगे आना होगा।

इस अवसर पर मारवाड़ी युवा मंच की विभिन्न शाखाओं के सदस्य, समाज के गणमान्य नागरिक, अतिथि, पत्रकार बंधु इत्यादि भी उपस्थित रहे। प्रारंभ में अतिथियों का स्वागत प्रांतीय उपाध्यक्ष **श्री मनीष लोहिया** ने किया, संचालन **श्रीमती कनक खण्डेलवाल** व धन्यवाद ज्ञापन **श्री कृष्ण कुमार काबरा** ने किया।

पश्चिम बंग के महामहिम राज्यपाल श्री केशरी नाथ त्रिपाठी की रचनाओं का राजस्थानी अनुवाद डॉ. जेबा रशीद द्वारा

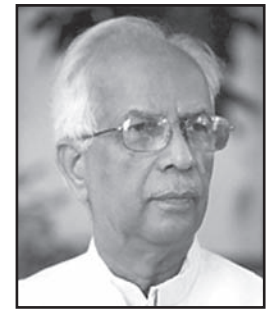

श्री केशरी नाथ त्रिपाठी

डॉ. जेबा रशीद

मूल

दूसरों की कोशिश से कोई जुदा नहीं होता
जिसे कुबूला उससे दीगर कोई खुदा नहीं होता
तोहमत और बहाने तो बेशुमार मिलते हैं
दिल सच्चा हो तो कोई जुदा नहीं होता।

राजस्थानी

दूजां री कोसिस सूं कोई जुदा नीं होवै
जिणनै कबूलां उणसूं दीगर कोई खुदा नीं होवै
तोहमत अर बायना तौ बेसुमार मिळै है
दिल सांचा हो तौ कोई जुदा नीं होवै।

मूल

मासूम का भी कत्ल करते हैं
उस पर भी मुझसे प्रश्न करते हैं
एक सवाल उनसे भी पूछे कोई
किसी की जिन्दगी ले के क्यों जश्न करते हैं।

राजस्थानी

मासूम रौ ई कतल करै है कोई
उण माथै ई म्हारै सूं सवाल करै है
एक सवाल उण सूं ई पूछै कोई
किणी री जिन्दगी लेयनै क्यूं जसन करै है।

पूर्वोत्तर शाखाओं ने मनाया स्थापना दिवस समारोह

नगांव

नगांव शाखा द्वारा मारवाड़ी सम्मेलन का ८३वाँ स्थापना दिवस जैन श्वेताम्बर तेरापंथ भवन में आयोजित किया गया। सभा की अध्यक्षता शाखा अध्यक्ष **पवन कुमार गाड़ोदिया** ने की। प्रारंभिक मंच संचालन शाखा मंत्री **अजित माहेश्वरी** ने किया। सभी अतिथियों ने सम्मेलन के प्रतीक चिन्ह के सम्मुख दीप प्रज्ज्वलित कर समारोह का उद्घाटन किया। सभी मेहमानों का स्वागत किया गया। दिवंगत हुए समाजबंधुओं के प्रति मौन प्रार्थना की गई। शाखा अध्यक्ष पवन कुमार गाड़ोदिया ने स्वागत भाषण देते हुए सामाजिक समरसता पर बल दिया शाखा मंत्री अजित माहेश्वरी ने प्रतिवेदन प्रस्तुत किया।

समारोह में समाज सेवा के लिए **बजरंगलाल नाहटा**, नारी शक्ति के लिए **मंजु पोद्दार**, शिक्षा के लिए **पलक आलमपुरिया** तथा काव्य रचना के लिए **पूनम अग्रवाल** का अभिनंदन किया गया। उल्लेखनीय है कि इस वर्ष की मैट्रिक परीक्षा में सुश्री पलक आलमपुरिया ने राज्यभर में प्रथम स्थान प्राप्त किया था। सम्मान समारोह का संचालन **विनोद पोद्दार** ने किया।

समारोह के विशिष्ट अतिथि के रूप में बोलते हुए **ओंकारमल अग्रवाल** ने कहा कि समाज को आडंबरों से बचना चाहिए। प्रत्येक आयोजनों पर चाहे वो शादी हो, चाहे धार्मिक आयोजन दिखावा व आडंबर बढ़ गया, जिससे समाज को बचना चाहिये। मुख्य अतिथि मधुसूदन सीकरिया ने अपने संबोधन में उस समय की चर्चा की जब राज्य आतंक की गिरफ्त में था और सम्मेलन की बागडोर संभालने वाला कोई नहीं था और ऐसे समय नगांव के **प्रह्लाद राय तोदी** ने सम्मेलन को संभाला। उन्होंने कहा कि समाज की अन्य संस्थाएँ अपने हिसाब से सामाजिक कार्य कर रही है, उसी तरह सम्मेलन को भी सामाजिक कार्य करते रहना होगा।

सम्मेलन के प्रांतीय महामंत्री तथा समारोह के मुख्य वक्ता **प्रमोद तिवाड़ी** ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि दानशीलता मारवाड़ियों का स्वभाव है। वैवाहिक कार्यक्रमों, धार्मिक कार्यक्रमों में हो रही फिजूलखर्ची पर चिंता व्यक्त करते हुए श्री तिवाड़ी ने कहा कि ऐसे आडंबरों से हमें बचना चाहिये। उन्होंने कहा कि अब आडंबर संपन्नता को प्रदर्शित करने का जरिया बन गया है। श्री तिवाड़ी ने सुझाव दिया कि जो करोड़ों रुपये धार्मिक आयोजनों पर खर्च हो रहे हैं, उससे कहीं ज्यादा बेहतर होगा कि इन रुपयों को समाज सेवा के स्थाई प्रकल्पों पर खर्च कर समाज सेवा की जाए। समारोह में विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारी के अतिरिक्त सम्मेलन के पूर्व अध्यक्ष **माणकचन्द नाहटा**, वयोवृद्ध समाजसेवी **सीताराम टाबड़ीवाल, खूबचंद केजड़ीवाल, रघुवीर प्रसाद आलमपुरिया, राजेन्द्र प्रसाद मुंदड़ा, जीवनलाल सुराणा, शंकरलाल वर्मा, भारती नाहटा, शकुंतला वर्मा, हर्षदा सोलंकी** सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित हुए। समारोह समापन से पूर्व **ओमप्रकाश जाजोदिया** ने धन्यवाद ज्ञापन किया। समारोह के समापन पर राष्ट्रगीत हुआ। समारोह को सफल बनाने में अनुप पोद्दार, विनय अग्रवाल, सुरेश शर्मा व विमल भूत का उल्लेखनीय योगदान रहा।

खारुपेटिया

मारवाड़ी सम्मेलन खारुपेटिया शाखा के तत्वावधान में विभिन्न कार्यक्रमों के साथ सम्मेलन का ८३वाँ राष्ट्रीय स्थापना दिवस मनाया गया। श्री हनुमान मारवाड़ी धर्मशाला भवन प्रांगण में आयोजित इस समारोह की अध्यक्षता सम्मेलन की खारुपेटिया शाखा के अध्यक्ष **अशोक नागोरी** ने की। कार्यक्रम का शुभारंभ खारुपेटिया शाखा के वर्तमान सत्र की द्वितीय साधारण सभा के साथ किया गया। **श्री पवन पोद्दार** द्वारा स्वागत भाषण प्रस्तुत करने के पश्चात् सभा की कार्यवाही के दौरान पिछली कार्यवाही का प्रतिवेदन पाठ, संपादित कार्यक्रमों की जानकारी

के साथ शाखा की भावी योजनाओं से सदस्यों को अवगत करवाया गया। अध्यक्षीय संबोधन में **अशोक नागोरी** ने समाज को आने वाले समय के लिए भावी पीढ़ी के लिए सचेत करते हुए अभिभावकों द्वारा संस्कार को अहमियत देने की अपील की।

कार्यक्रम के द्वितीय चरण में नारी शक्ति प्रेरणा सम्मान कार्यक्रम का शुभारंभ शाखा सचिव **दीपक बैद** के द्वारा उद्देश्य व्याख्या के साथ हुआ, जिसमें खारुपेटिया मारवाड़ी समाज के विगत ३५ वर्षों के इतिहास में समाज की तीन जुझारू एवं रचनात्मक सोच रखने वाली महिलाओं का शॉल व असमिया गामोछा ओढ़ाकर तथा सम्मान-पत्र देकर अभिनंदन किया गया। ये महिलायें हैं **श्रीमती आनंदी देवी तोदी** (धर्मपत्नी स्व. गोवर्द्धन तोदी), **श्रीमती तारामणि पहाड़िया** (धर्मपत्नी स्व. सागरमल पहाड़िया) एवं **श्रीमती मनीषा तोषनीवाल** (धर्मपत्नी महावीर तोषनीवाल)।

कार्यक्रम के तीसरे चरण में गरीबों में कंबल का वितरण हुआ जिसका शुभारंभ **शांतीलाल सुराणा** के कर-कमलों से किया गया। इस अवसर पर कंबल के लिए आर्थिक सौजन्यकर्ता **जयचंदलाल शांतिलाल सुराणा** का फुलाम गामोछा ओढ़ाकर सम्मेलन की ओर से अभिनंदन किया गया।

सचिव **दीपक बैद** ने धन्यवाद की औपचारिकता पूरी की।

तिनसुकिया

सम्मेलन की तिनसुकिया शाखा की ओर से स्थानीय राजस्थानी मारवाड़ी पंचायती धर्मशाला में आयोजित किए गए अखिल भारतीय मारवाड़ी सम्मेलन के स्थापना दिवस कार्यक्रम के दौरान अपने संबोधन में अध्यक्ष **पवन केजरीवाल** ने कहा कि मारवाड़ी संस्कृति को बढ़ावा देने वाले परिवार पुरस्कृत होंगे। उन्होंने कहा कि शाखा ने इस उद्देश्य पर कार्य शुरू कर दिया गया है व सम्मेलन द्वारा जिले में मारवाड़ी भाषा व संस्कृति के प्रचार हेतु लोगों से मिलने-जुलने का कार्यक्रम शुरू किया जाएगा। इस दौरान आयोजित चर्चा सत्र में मारवाड़ी युवा मंच के अध्यक्ष **पवन अग्रवाल** ने कहा कि जब तक बेटी के ससुराल में पीहर वालों की दखलंदाजी होती रहेगी तथा पति-पत्नी के बीच आपसी तालमेल का अभाव रहेगा, तब तक समाज में तलाक की घट नाएँ होती रहेंगी। समाजसेवी व ब्राह्मणसभा के उपाध्यक्ष **हीरालाल काछयाल** ने कहा कि सामाजिक समरसता तथा संस्कृति को बचाए रखने के लिए हमें कुछ कठोर नीतियाँ अपनानी होंगी। कार्यक्रम में **पुखराज जैन, राज हरितवाल, तेजपाल खंडेलवाल, राकेश भारद्वाज, बजरंग केजरीवाल** व **पुष्पा अग्रवाल** आदि ने भी अपने विचार रखे।

अपने संबोधन में पूर्व पार्षद **अशोक अग्रवाल** ने कहा कि संस्कृति को खोना अपनी पहचान को खोने के बराबर है, अतः समय रहते हमें अपनी पहचान को जिंदा रखने के लिए प्रयास करना होगा। कार्यक्रम के संयोजक व पूर्वोत्तर मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय संयुक्त मंत्री **रोशन भारद्वाज** ने कहा कि अपने समाज में पूर्वजों से चली आ रही वर्ण-व्यवस्था सहित बहुत सारी सुदृढ़ परंपराएँ मौजूद है। हमें एक दूसरे के सहयोग की भावना के साथ इन्हें निभाना होगा।

इस अवसर पर आयोजित रंगारंग कार्यक्रम में बच्चों द्वारा राजस्थानी गीतों पर नृत्य प्रस्तुत किया गया, जिसे उपस्थित लोगों से बहुत सराहना मिली। कार्यक्रम के अंत में प्रीतिभोज का भी आयोजन किया गया।

सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत!

आजीवन सदस्य

श्री कैलाश अग्रवाल मु. गोरियाजन टी.ई. गोलाघाट, असम	**श्री शंकर लाल अग्रवाल** मु. बंगांव ए.टी. रोड जिला - गोलाघाट, असम	**श्री महावीर अगरवाला** मु. पो. बादुलीपर कॉलेज रोड, जिला - गोलाघाट, असम	**श्री अरविन्द कुमार संथलिया** पुराग टेलिफोन एक्सचेंज कहलगांव, मुंगेर, बिहार	**श्री प्रभात कुमार खेमका** द्वारा-सोनम चुड़ी हाउस चौक बाजार, मुंगेर, बिहार
श्री रमेश कुमार बंसल शिवाजी चौक, बेकापूर मुंगेर, बिहार	**श्री गोविन्द कुमार पोद्दार** होटल लेन, फ्रेजर रोड पटना, बिहार	**श्री विमल कुमार क्याल** पोस्ट - त्रिवेणीगंज जिला - सुपौल, बिहार	**श्री सज्जन कुमार केजरीवाल** ग्राम+पोस्ट - त्रिवेणीगंज जिला - सुपौल, बिहार	**श्री दिलीप केडिया** एम.एल.टी. कालेज के पिछे सहरसा, बिहार
श्री रघुनंदन प्रसाद मे. विवेक हैन्डलूम सहरसा सहरसा, बिहार	**श्री कुमार संदीप रंजन** मे. साह एजेन्सीज, धर्मशाला रोड, सहरसा, बिहार	**श्री अनिल कुमार मस्करा** धर्मशाला रोड सहरसा, बिहार	**श्री दीपक चोखानी** पूरब बाजार, सिद्धी भवन सहरसा, बिहार	**श्री बजरंग कुमार अग्रवाल** गुदड़ी बाजार, वार्ड नं.-२५ सुपौल, बिहार
श्री चिन्टु कुमार सेठीया द्वारा - श्री ट्रेडर्स सुपौल, बिहार	**श्री प्रमोद कुमार मोहनका** स्टेशन रोड सुपौल, बिहार	**श्री राजेश कुमार संथलिया** लोहिया नगर चौक सुपौल, बिहार	**श्री सुमित मोहनका** मे. मनीषा टेक्सीन हाउस स्टेशन रोड, सुपौल, बिहार	**श्री सुमित मोहनका** मे. मनीष टेक्सिन हाउस सुपौल, बिहार
श्री अभय कुमार जैन मे. अशोक क्लाथ स्टोर सुपौल, बिहार	**श्री मुकेश कुमार जैन** श्री महावीर भाषा भण्डार सुपौल, बिहार	**श्री अनिल कुमार जैन** मे. जैन ट्रेडिंग थाना रोड वार्ड नं.-१२, सुपौल, बिहार	**श्री रमेश कुमार मिश्रा** वार्ड नं.-१०, स्टेशन रोड सुपौल, बिहार	**श्री उमेश कुमार संथलिया** सुपौल, वार्ड नं.-९ सुपौल, बिहार
श्री सुजीत कुमार अग्रवाल स्टेशन रोड, वार्ड नं.-१० सुपौल, बिहार	**श्री अरुण पंसारी** मे. बिहार प्रिंटिंग प्रेस सुपौल, बिहार	**श्री सुरेश कुमार अग्रवाल** बिहार	**श्री शम्भु कुमार जैन** श्री महावीर खाद्य भण्डार सुपौल, बिहार	**श्री निर्मल कुमार केजरीवाल** गांव + पो. - त्रिवेणीगंज सुपौल, बिहार
श्री गजेन्द्र बूबना पटना सिटी चौक पटना, बिहार	**श्री विकाश कुमार सुरेका** पूरबी लोहानीपूर, महादेवी अपार्टमेंट, पटना, बिहार	**श्री राजु हिसारीया** मे. कान्हा इंटरप्राइजेज पटना, बिहार	**श्री आशिष सराफ** द्वारा-असोसिएटेड डाईज एवं केमिकेल्स, पटना, बिहार	**श्री मनोज कुमार गुप्ता** १०४, गणपति काम्पलेक्स कदमकुआं, पटना, बिहार
श्री शंकरलाल सिंघानियाँ में. इकॉनामिक्स मेडिकल हाल, शिलांग, मेघालय	**श्री महाबीर प्रसाद सिंघानिया** मे. सिंघानिया प्रिंटिंग प्रेस शिलांग, मेघालय	**श्री बिक्रम सिंघानिया** थाना रोड, शिलांग मेघालय	**श्री अभिषेक सिंघानिया** थाना रोड, शिलांग मेघालय	**श्री अजय सिंघानियाँ** थाना रोड, शिलांग मेघालय
श्री देवेन्द्र सिंघानियाँ मे. इकॉनामिक मेडिकल हाल शिलांग, मेघालय	**श्री नरेन्द्र सिंघानियाँ** थाना रोड, शिलांग मेघालय	**श्री गोविन्द सिंघानियाँ** थाना रोड, शिलांग मेघालय	**श्री नीलेश सिंघानियाँ** थाना रोड, शिलांग मेघालय	**श्री जगदीश सिंघानिया** पोलो हिल्स, शिलांग मेघालय
श्री द्वारका सिंघानियाँ पोलो हिल्स, शिलांग मेघालय	**श्री विश्वनाथ सिंघानियाँ** पोलो हिल्स, शिलांग मेघालय	**श्री श्याम सिंघानियाँ** धनखेती मेघालय	**श्री सिद्धार्थ सिंघानियाँ** मे. इकॉनामिक मेडिकल हाल, शिलांग, मेघालय	**श्री आदित्य सिंघानियाँ** पुलिस बाजार, शिलांग, मेघालय
श्री किशन सिंघानियाँ पोलो हिल्स, धनखेती मेघालय	**श्री पवन सिंघानियाँ** फेरनडेल अपार्टमेंट एम. जी. रोड, मेघालय	**श्री अमित सिंघानियाँ** थाना रोड, शिलांग मेघालय	**श्री अनुज सिंघानियाँ** लछुमियर मेघालय	**श्री नरेन सिंघानियाँ** लोवर लछुमियर मेघालय
श्री सुरेन सिंघानियाँ लछुमियर मेघालय	**श्री दिलीप कुमार सिंघानिया** थाना रोड, शिलांग मेघालय	**श्री बनवारीलाल बजाज** बजाज लॉज, पोलो हिल्स मेघालय	**श्री राहुल बजाज** बजाज लॉज, पोलो हिल्स मेघालय	**श्री गौरव बजाज** बजाज लॉज, पोलो हिल्स मेघालय
श्री अशोक कुमार बजाज झालुपाड़ा मेघालय	**श्री संजीव बाजोरिया** मणी भवन, पुलिस बाजार शिलांग, मेघालय	**श्री संत कुमार बाजोरिया** पुलिस बाजार शिलांग, मेघालय	**श्री रोहित बाजोरिया** पुलिस बाजार शिलांग, मेघालय	**श्री रमेश बावरी** बावरी मेन्शन, धनखेती मेघालय

With Best Compliments from:

ROAD CARGO MOVERS PVT. LTD.

Head- office:
1 Gibson Lane, 2nd Floor
Suite- 211, Kolkata- 700069
Phone : 2210-3480,2210-3485
Fax: 2231-9221
E-mail : info@roadcargo.in

Branches & Associates :
Guwahati, Siliguri, Durgapur, Haldia, Kharagpur, Balasore,
Bhubneswar, Cuttuck, Iccapuram, Vishakapatnam, Vijaywada,
Hyderabad, Chennai, Bangalore, Cochin, Gaziabad (U.P. Border), Indore

Yours Tastefully
Anmol
Enjoy the fresh baked goodness
Butter Bake
2 in 1
Little Sweet
Little Salty
dream LITE
Lemon MAZAA
Marie Plus
Butter Bake
www.anmolindustries.com
Follow us on:

Translating dreams into reality

for a perpetual smile on every face

S. R. RUNGTA GROUP

Cares for the land and its people

MINING, STEEL & POWER

Rungta House, Chaibasa, Jharkhand - 833201

सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत!

आजीवन सदस्य

श्री राहत बावरी धनखेती मेघालय	**श्री विजय बावरी** बावरी मेन्शन, धनखेती मेघालय	**श्री वीनित बावरी** बावरी मेन्शन, धनखेती मेघालय	**श्री हर्षित बावरी** बावरी मेन्शन, धनखेती मेधालय	**श्री राधेश्याम भूत** पुलिस बाजार, शिलांग मेघालय
श्री शंकरलाल गोयनका पुलिस बाजार, शिलांग मेघालय	**श्री जगदीश गोयनका** पुलिस बाजार, शिलांग मेघालय	**श्री कृष्ण कुमार गोयनका** पुलिस बाजार, शिलांग मेघालय	**श्री प्रशांत गोयनका** पुलिस बाजार, शिलांग मेघालय	**श्री गैतम गोयनका** पुलिस बाजार, शिलांग मेघालय
श्री अरविन्द गोयनका पुलिस बाजार, शिलांग मेघालय	**श्री वेदान्त गोयनका** पुलिस बाजार, शिलांग मेघालय	**श्री विमल गोयनका** जी. एस. रोड मेघालय	**श्री अंकित गोयनका** जी. एस. रोड मेघालय	**श्री विनोद कुमार गोयनका** धनखेती मेघालय
श्री यश गोयनका धनखेती मेघालय	**श्री विशाल गोयनका** गरिखाना मेघालय	**श्री कैलाश गोयनका** पलटन बाजार मेघालय	**श्री सिद्धार्थ गोयनका** पुलिस बाजार, शिलांग मेघालय	**श्री सुभाष झुनझुनवाला** पुलिस बाजार, शिलांग मेघालय
श्री कृष्णा झुनझुनवाला पुलिस बाजार, शिलांग मेघालय	**श्री आशु झुनझुनवाला** पुलिस बाजार, शिलांग मेघालय	**श्री अंकुर झुनझुनवाला** पुलिस बाजार, शिलांग मेघालय	**श्री नारायण झुनझुनवाला** पुलिस बाजार, शिलांग मेघालय	**श्री आदर्श झुनझुनवाला** पुलिस बाजार, शिलांग मेघालय
श्री श्रवण झुनझुनवाला पुलिस बाजार, शिलांग मेघालय	**श्री अक्षत झुनझुनवाला** पुलिस बाजार, शिलांग मेघालय	**श्री नीलेश टिबड़ेवाला** थाना रोड, शिलांग मेघालय	**श्री पवन टिबड़ेवाला** मे. अभिनंदन, पुलिस बाजार, शिलांग, मेघालय	**श्री अंशुमन टिबड़ेवाला** मे. अभिनंदन, पुलिस बाजार, शिलांग, मेघालय
श्री अमित शर्मा पुलिस बाजार, शिलांग मेघालय	**श्री बजरंग लाल शर्मा** डी.जी.सी. क्रास रोड, शिलांग, मेघालय	**श्री संदीप अग्रवाल** लछुमियर मेघालय	**श्री रोनक जैन** लवण मेघालय	**श्री रोहित जैन** लवण मेघालय
श्री शुभम चोखानी पुलिस बाजार, शिलांग मेघालय	**श्री पवन चोखानी** पुलिस बाजार, शिलांग मेघालय	**श्री मनीष पसारी** लछुमियर मेघालय	**श्री मनोज अग्रवाल** गरिखाना मेघालय	**श्री सत्यनारायण बेरिवाल** हावेल रोड, लवण मेघालय
श्री पवन कुमार साह द्वारा-दुलिचंद हनुमान प्रसाद साह पो. झंडा चौक, झारसुगुड़ा, ओडिशा	**श्री नवल कुमार अग्रवाल** वैष्णो अपार्टमेंट, सी/१०२ झारसुगुड़ा, ओडिशा	**श्री संजय कुमार लोढ़ा** परदेशीपाड़ा, मिश्रा टाकीज के पिछे, झारसुगुड़ा, ओडिशा	**श्री किशन कुमार अग्रवाल** नीचो हाइट कॉलोनी बी/१०१, सरबहल, ओडिशा	**श्री सुनील कुमार केडिया** मे. कान्हा इंटरप्राईजेज इंकमटैक्स ऑफिस के पीछे झारसुगुड़ा, ओडिशा
श्री महेन्द्र कुमार केडिया पोस्ट आफिस गली झारसुगुड़ा, ओडिशा	**श्री सुधीर कुमार डीडवानियाँ** हटलीपाड़ा, झारसुगुड़ा ओडिशा	**श्री ओम प्रकाश खेतान** अग्रसेन चौक, मारवाड़ीपाड़ा झारसुगुड़ा, ओडिशा	**श्री मनीष कुमार साह** विनायकपूरम कालोनी झारसुगुड़ा, ओडिशा	**श्री नरेश कुमार लड़ढ़ा** द्वारा-आशीष इंटरप्राईजेज सरभल रोड, झारसुगुड़ा, ओडिशा
श्री आनंद कुमार मोदी द्वारा - प्रमोद कुमार मोदी सरभल रोड, झारसुगुड़ा, ओडिशा	**श्री गोवर्धनदास मोदी** द्वारा - मोदी असोसियेट्स झारसुगुड़ा, ओडिशा	**श्री अजय कुमार पोद्दार** अपर्णा टावर, सरभल टावर झारसुगुड़ा, ओडिशा	**श्री बिकाश कुमार बधन** सरभल रोड, झारसुगुड़ा, ओडिशा	**श्री अशोक कुमार केडिया** राममंदीर के सामने मारवाड़ीपाड़ा, झारसुगुड़ा, ओडिशा
श्री आशीष कुमार बधन सरभल रोड, झारसुगुड़ा, ओडिशा	**श्री अरुण कुमार मुंदड़ाँ** पुलिस स्टेशन के सामने झारसुगुड़ा, ओडिशा	**श्री पवन कुमार सुल्तानियाँ** अग्रसेन चौक, मारवाड़ी पाड़ा झारसुगुड़ा, ओडिशा	**श्री सचिन शर्मा** बाबूलाल शर्मा, पुलिस लाईन झारसुगुड़ा, ओडिशा	**श्री अनिल कुमार केडिया** श्यामकुंज, इंकम टैक्स आफिस के बगल में, झारसुगुड़ा, ओडिशा
श्री संजय कुमार खेतान शंकरलाल खेतान विशाल मेगा मार्ट के बगल में, झारसुगुड़ा, ओडिशा	**श्री बिनोद कुमार अरुकिया** द्वारा-अरुकिया इण्डस्ट्रियल कार्पोरेशन सरभल रोड, झारसुगुड़ा, ओडिशा	**श्री राजेश कुमार अग्रवाल** एन ई ओ हाईट्स अपार्टमेंट ए/४०३/४०४, झारसुगुड़ा, ओडिशा	**श्री अमित कुमार अग्रवाल** वेदान्त रोड, सरभल रोड झारसुगुड़ा, ओडिशा	**श्री श्यामलाल शर्मा** मे. साड़ी हाउस, गांधी चौक एन.एच.४९ केओनझाड़, ओडिशा

Comprehensive and Exclusive

Business Economics

... Truly reflecting global aspirations!

Subscribe

100% Bargain

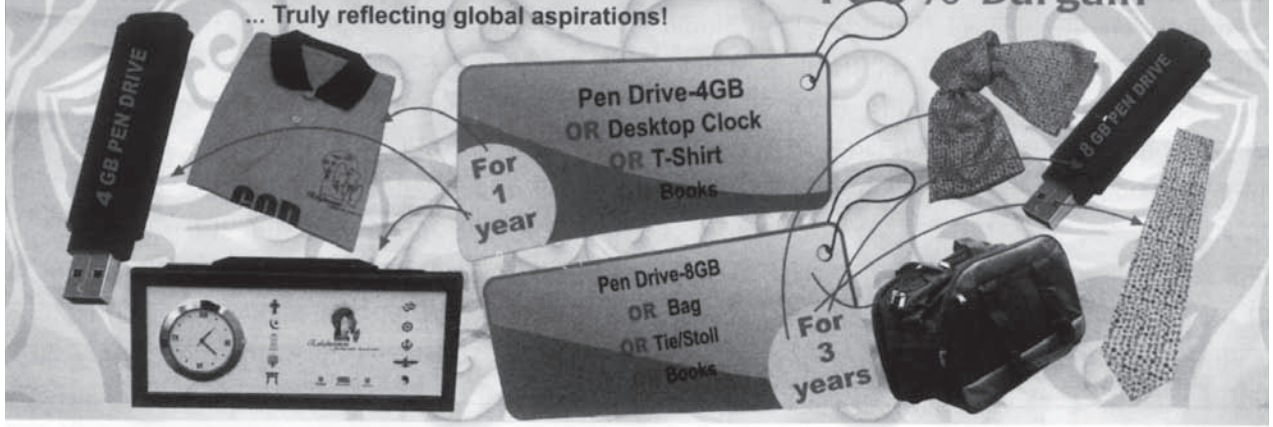

Subscribe Business Economics :

Subscribers may send choice of books valued equal to subscription

Tick	Term	No. of Issues	Price you pay	Gift Value	Saving	US $	UK £	Gift Option
☐	3 Years	72	1440/-	1440/-	1440/-	216	144	☐ 8GB Pen Drive OR ☐ Bag OR ☐ Tie/Stoll OR ☐ Books
☐	1 Year	24	480/-	480/-	480/-	72	48	☐ 4GB Pen Drive OR ☐ Desktop Clock OR ☐ T-Shirt OR ☐ Books
☐	1 Year	24 + Anniversary Issue (Worth ₹ 150)	240/-	150/-	390/-	-	-	☐ Exclusively for Students/Institutions
☐	1 Year	24 + Anniversary Issue (Worth ₹ 150)	240/-	150/-	390/-	-	-	☐ EXCLUSIVELY FOR SENIOR CITIZENS

For 1 year Book of choice upto ₹ 480 | **For 3 years Books of choice upto ₹ 1440**

Business Economics — Subscription Form

Name : Mr./Ms. _____

Address : _____

_____ City/District : _____

State : _____ Country : _____ Pin Code : ☐☐☐☐☐☐

E-mail : _____ Mobile : _____ Landline : _____ (STD CODE)

REMITTANCE DETAILS :

Enclosed Cheque / DD No. _____ dated: _____ for Rs. _____ drawn on: _____

In favour of **CONTEMPORARY NEWS PRIVATE LIMITED**

Signature: _____ date: _____

Mail this subscription form along with your Cheque / DD to : Pramod Kr. Singh, General Manager, **Business Economics**, 3, Middle Road, Hastings, Kolkata - 700 022, India
Ph : 033 - 2223 0335/0368, Mobile : 93395 19642, E-mail : subscriptions@businesseconomics.in

For Subscription enquiries contact : Kolkata : Shaonli Majumder : 033 2223-0368 • **Mumbai :** Rajendra Singh : 90290 84951
New Delhi : Lala P. Yadav : 98102 10095 • **Kohima :** Povotso Lohe : 94360 05889

Lucky DRAW

QUARTERLY LUCKY DRAW FOR THE SUBSCRIBERS :
1st Prize : INR 2000/- ● 2nd Prize : INR 1000/- ● 3rd Prize : INR 500/-

सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत!

आजीवन सदस्य

श्री बिनोद बिहारी लाल मे. अनिता क्लॉथ स्टोर बारबील रोड, केओनझाड़, ओडिशा	**श्री रामेश्वर लाल मुंदड़ाँ** मे. राजश्री, न्यु मार्केट केओनझाड़, ओडिशा	**श्री धरम चंद मोदी** मे. रश्मी ट्रांस्पोर्ट प्रा. लि. केओनझाड़, ओडिशा	**श्री अनिल कुमार गोयनका** धंगड़पाड़ा, तारिनी होटेल के सामने, केओनझाड़, ओडिशा	**श्री ज्ञानेन्द्र अगरवाला** मे. पैराडाइज टेक्सटाईल एन.एच.४९, केओनझाड़, ओडिशा
श्री शिव कुमार बंसल मे. नारायण फूड प्रोडक्ट्स हंदुला, केओनझाड़, ओडिशा	**श्री अभिषेक बजाज** मे. मेट्रो लाईट, न्यु डाक बंगला रोड, पटना, बिहार	**श्री पवन कुमार भालोटिया** मे. भालोटिया टेक्सटाईल बाटा गली, भागलपुर, बिहार	**श्री पवन केडिया** मे. आर. के. सेल्स, मोहिनी मार्केट, पटना, बिहार	**श्री राज किशोर अग्रवाल** मे विकास इंटरप्राईजेज (एजेन्सी) पीरमुहानी, कदमकुआँ, बिहार
श्री बी. एन. टेकरीवाल मे. टेकरीवाल एजेन्सी प्रा. लि., पटना, बिहार	**श्री विक्रम टेकरीवाल** मे. टेकरीवाल एजेन्सी प्रा. लि., पटना, बिहार	**श्री पुरुषोत्तम कुमार मंत्री** द्वारा - रीया सेल्स, एक्जी-बिशन रोड, पटना, बिहार	**श्री गोपाल भालोटिया** मे. फ्लॉट रेमिडिज प्रा. लि. जमाल रोड, पटना, बिहार	**डॉ. रमेश कुमार शर्मा** बिहार कृषि विश्वविद्यालय सबोर, भागलपुर, बिहार
श्री विष्णु कुमार मेगोतिया मे. बेगुसराय ऑटो एजेन्सी बंगुसराय, बिहार	**श्री नटवर कुमार अग्रवाल** मे. प्रिमियर इण्डस्ट्रीज पो. तिलरथ, बेगूसराय, बिहार	**श्री कैलाश कुमार अग्रवाल** मे. प्रिमियर इण्डस्ट्रीज पो. तिलरथ, बेगूसराय, बिहार	**श्री भीम कुमार अग्रवाल** किडजी स्कूल के नजदीक बेगूसराय, बिहार	**श्री सतीश कुमार गुप्ता** मे. प्रिमियर इण्डस्ट्रीज पो. तिलरथ, बेगूसराय, बिहार
श्री संतोष कुमार टेकरीवाल मे. श्री गंगा प्रोडक्ट्स, चौक, उलाओ, बेगूसराय, बिहार	**श्री कमल मेगोतिया** मे. कमल मेगोतिया बेगूसराय, बिहार	**श्री अशोक मस्करा** मे. बिनोद ब्रदर्स, गौशाला रोड, बेगूसराय, बिहार	**श्री संतोष मस्करा** मे. बिनोद ब्रदर्स, गौशाला रोड, बेगूसराय, बिहार	**श्री मुकेश कुमार जैन** मुंगेरीगंज,बेगूसराय, बिहार
श्री सुशील अग्रवाल मे.सुशील टेक्सटाईल एजेन्सी मुजफ्फरपूर, बिहार	**श्री प्रमोद कुमार नथानी** मे. डी.पी. स्टोर्स, रमना मुजफ्फरपूर, बिहार	**श्री सरोज कुमार** मे. ब्युटि पेपर, इस्लामपूर मुजफ्फरपूर, बिहार	**श्री कृष्णा कुमार लाखोटिया** मे. लाखोटिया बस्त्रालय रोसड़ा, समस्तीपूर, बिहार	**श्री सुरेन्द्र कुमार साह** मे. इथिक्स कमर्शियल लि. भागलपूर, बिहार
श्री संतोष कुमार खेतान मे. मंगतुराम दुर्गा प्रसाद कहलगांव, भागलपूर, बिहार	**श्री मनोज कुमार संथलिया** मे. श्याम ट्रेडिंग कं. कहलगांव, बिहार	**श्री चंद्र प्रकाश खेतान** मे. श्री भवानी मिल्स कहलगांव, बिहार	**श्री सौरभ कुमार चमड़िया** मे. सुविधा, कहलगांव भागलपूर, बिहार	**श्री श्याम बिहारी टिबड़ेवाल** मे. गोयल ट्रेडिंग, कहलगांव भागलपूर, बिहार
श्री मुरारी कुमार खेतान मे. खेतान मार्केटिंग एण्ड कं., कहलगांव, भागलपूर, बिहार	**श्री आशीष कुमार वर्मा** मे. वर्मा मार्बल्स एण्ड मशिनरी कहलगांव, भागलपूर, बिहार	**श्री बिकास कुमार वर्मा** मे. पल्लवी ज्वेलर्स कहलगांव, भागलपूर, बिहार	**श्री ब्रजेश साह** मे. साह एजेन्सी, कहलगांव, भागलपूर, बिहार	**श्री अलोक कुमार जालान** मे. ए पी जे इंटरप्राइजेज कहलगांव, भागलपूर, बिहार
श्री संतोष कुमार टेकरीवाल मे. अन्नपूर्णा एजेन्सी कहलगांव, भागलपूर, बिहार	**श्री सजन कुमार टिबड़ेवाल** मे. ज्योति गारमेन्ट्स कहलगांव, भागलपूर, बिहार	**श्री अशोक कुमार बंकिया** मे. स्वास्तिक इंटरप्राईजेज कहलगांव, भागलपूर, बिहार	**श्री बासूदेव टिबड़ेवाल** मे. श्री गोपाल ड्रेसेज कहलगांव, भागलपूर, बिहार	**श्री अतूल कुमार खेतान** गांधीनगर, पूरानी बाजार कहलगांव, भागलपूर, बिहार
श्री अमित कुमार टिबड़ेवाल मे. लक्ष्मी कृषि स्टोर कहलगांव, भागलपूर, बिहार	**श्री देवकी नंदन शर्मा** मे. भगवती इंटरप्राईजेज कहलगांव, भागलपूर, बिहार	**श्री रमेश कुमार साह** मे. साह फ्यूल्स कहलगांव, भागलपूर, बिहार	**श्री श्रवण कुमार वर्मा** मे. श्रवण ज्वेलर्स कहलगांव, भागलपूर, बिहार	**श्री शरद कुमार जालान** मे. जालान एण्ड कं. कहलगांव, भागलपूर, बिहार
श्री अमित संथलिया मे. अमित टायर हाउस कहलगांव, भागलपूर, बिहार	**श्री कमल कुमार टेकरीवाल** मे. बिहारी लाल एण्ड ब्रदर्श कहलगांव, भागलपूर, बिहार	**श्री जयराम खेतान** मे. शंकरलाल अरूण खेतान कहलगांव, भागलपूर, बिहार	**श्री कुणाल कुमार मारोडिया** मे. किरण स्टोर कहलगांव, भागलपूर, बिहार	**श्री बिमल कुमार दलान** मे. विवेक इंटरप्राइजेज कहलगांव, भागलपूर, बिहार
श्री सुरेन्द्र कुमार अगरवाला द्वारा-असोसिएटेड आयरन एण्ड स्टील कं., धनबाद, झारखंड	**श्री शैलेन्द्र कुमार अग्रवाल** करकंड बाजार, कुशुंडा धनबाद, झारखंड	**श्री ओम प्रकाश अग्रवाल** मे. रेनबो कलर धनबाद, झारखंड	**श्री सुशील कुमार अग्रवाल** मे. ओमप्रकाश सत्यनारायण धनबाद, झारखंड	**श्री बलबीर धनानियाँ** सिमडेगा स्पोर्ट मार्केट काम्प-लेक्स, सिमडेगा, झारखंड
श्री राजेश कुमार गोयल मेन रोड सिमडेगा जिला-सिमडेगा, झारखंड	**श्री विजय कुमार मित्तल** मे. उमा स्टोर मेन रोड सिमडेगा, झारखंड	**श्री प्रदीप कुमार शर्मा** द्वारा - सी लोन वाच सिमडेगा, झारखंड	**श्री ओम प्रकाश अग्रवाल** मे. अंकित सैनिटरी सिमडेगा, झारखंड	**श्री देवेन्द्र अग्रवाल** मे. देवेन्द्र जनरल स्टोर सिमडेगा, झारखंड

सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत!

आजीवन सदस्य				
श्री बजरंग अग्रवाल रामजानकी मंदिर गली सिमडेगा, झारखंड	**श्री रवि कुमार गोयल** द्वारा-रामेश्वरदास सतीश कुमार, सिमडेगा, झारखंड	**श्री श्याम लाल शर्मा** मे. मार्केट कम्प्युटर सिमडेगा, झारखंड	**श्री नरेश मित्तल** आनंद भवन के सामने सिमडेगा, झारखंड	**श्री गोपाल कुमार ठाकुर (सेन)** द्वारा-राधा चुड़ी भण्डार सिमडेगा, झारखंड
श्री प्रितम कुमार जैन मे. गोयल हार्डवेयर स्टोर सिमडेगा, झारखंड	**श्री अशोक कुमार गोयल** नीचे बाजार सिमडेगा, झारखंड	**श्री शम्भु कुमार गाड़ोदिया** नीचे बाजार सिमडेगा, झारखंड	**श्री भरत कुमार अग्रवाल** मे. सिमडेगा बूक डिपो सिमडेगा, झारखंड	**श्री आनंद कुमार अग्रवाल** मे. एक्सप्रेस रांची सिमडेगा, झारखंड
श्री मुकेश कुमार गोयल मे. गोयल मेडिकल एजेन्सी सिमडेगा, झारखंड	**श्री अशोक कुमार जैन** रामजानकी मंदीर रोड सिमडेगा, झारखंड	**श्री कैलाश प्रसाद अग्रवाल** मेन रोड, नीचे बाजार सिमडेगा, झारखंड	**श्री राजेश कुमार गोयल** मे. गोयल स्टोर सिमडेगा, झारखंड	**श्री ब्रिख भान अग्रवाल** मे. सोनारटोली सिमडेगा, झारखंड
श्री गोपाल प्रसाद कुलुकेरिया स्टेट बैंक आफ इंडिया रोड सिमडेगा, झारखंड	**श्री मुरारी अग्रवाल** मे. मनोज हार्डवेयर स्टोर सिमडेगा, झारखंड	**श्री बिनोद कुमार अग्रवाल** द्वारा-सत्यनारायण अग्रवाल सिमडेगा, झारखंड	**श्री दिलीप कुमार अग्रवाल** मे. शक्ति हार्डवेयर सिमडेगा, झारखंड	**श्री संजय कुमार अग्रवाल** मे. शंकर क्लाथ स्टोर सिमडेगा, झारखंड
श्री रितेश शर्मा कार्टेज नं.-४, लाल बंगला धैया, झारखंड	**श्री सुभाष कुमार चौधरी** मे. बिहारी लाल चौधरी बैंक मोर, झारखंड	**श्री अरुण कुमार अग्रवाल** एच.आई.जी. हाउसींग कालोनी, रोहतक, झारखंड	**श्री बिनोद कुमार भुकानियाँ** मे. पवन उद्योग लि. धनबाद, झारखंड	**श्री रतन कुमार डोकानियाँ** मे. डेकानियाँ इंजिनियरिंग वर्क्स, गिरीडीह, झारखंड
श्री सजन कुमार डोकानियाँ मे. विश्वनाथ नर्सिंग होम गिरीडीह, झारखंड	**श्री दीपक कुमार चिरानियाँ** बी. डी. भवन गिरीडीह, झारखंड	**श्री प्रकाश चंद मुसद्दी** मे. इलेक्ट्रो मिक कम्पोनेंटस बाभन टोली, गिरीडीह, झारखंड	**श्री रविकांत अग्रवाल** मे. ऑटो एजेन्सी, चास, बोकारो, झारखंड	**श्री राजेश पोद्दार** मे. विनायक सैनिटेशन चास, बोकारो, झारखंड
श्री दीपक अग्रवाल द्वारा - अग्रवाल ग्लास चास, बोकारो, झारखंड	**श्री सुरेश कुमार अग्रवाल** मे. सुशील हार्डवेयर स्टोर्स मेन रोड, चास, झारखंड	**श्री देवकीनंदन अग्रवाल** मे. जगदम्बा ब्रदर्स, सदर बाजार, चास, झारखंड	**श्री गोपाल मुरारका** मे. टुल्स कं. चास, झारखंड	**श्री अशोक कुमार अग्रवाल** सदर बाजार, चास, बोकारो, झारखंड
श्री रमेश कुमार रितोलिया नारामणी निवास धनबाद, झारखंड	**श्री घनश्याम अग्रवाल** मे. ओम फर्निचर हाउस चास, बोकारो, झारखंड	**श्री महेन्द्र कुमार अग्रवाल** मे. एम. के. अग्रवाल रांची, झारखंड	**श्री मुकेश कुमार भगेड़िया** मे. श्री श्याम सेल्स चास, बोकारो, झारखंड	**श्री राज कुमार अग्रवाल** मे. दिल्ली फैंसी क्लॉथ स्टोर्स, बोकारो, झारखंड
श्री चंद्रमोहन अग्रवाल मे. अग्रवाल एजेन्सी बोकारो, झारखंड	**श्री गोपाल कुमार तमकोरिया** मे. तमकोरिया बैटरी सेन्टर चास, बोकारो, झारखंड	**श्री पवन कुमार सराफ** पावरगंज, गोपी लेन लोहरडागा, झारखंड	**श्री राकेश कुमार शर्मा** डी-२८, हिन्डाल्को कैम्पस लोहरडाका, झारखंड	**श्री राजेश छापेड़िया** मे. सेदमल कन्हैयालाल पचंबा, गिरीडीह, झारखंड
श्री राजेश कुमार जालान द्वारा - श्री बिजय स्टोर्स गिरीडीह, झारखंड	**श्री राम निरंजन अग्रवाल** बरगंडा, गिरीडीह झारखंड	**श्री प्रमोद कुमार** कोर्ट रोड, गिरीडीह झारखंड	**श्री निर्मल कुमार** मे. गणपती सोलर मार्केटिंग कोर्ट रोड, गिरीडीह, झारखंड	**श्री संजय बगड़िया** पावर हाउस रोड बरगंडा, गिरीडीह
श्री राजेन्द्र कुमार बगड़िया मे. रुबी मिका कं. लि. बरगंडा, गिरीडीह, झारखंड	**श्री अशोक कुमार अग्रवाल** विश्वनाथ लक्ष्मी निवास बरगंडा, गिरीडीह, झारखंड	**श्री कृष्णा कुमार अग्रवाल** मे. श्री गोपाल कोक इंण्डस्ट्रीज टुंडी रोड, धनबाद, झारखंड	**श्री सुशील काठुरिया** अशोक नगर, धनबाद झारखंड	**श्री दिपक कुमार पोद्दार** मे. बसुधा उद्योग धनबाद, झारखंड
श्री अतुल डोकानियाँ फ्लेयर बजाज धनबाद, झारखंड	**श्री जगदीश प्रसाद अग्रवाल** मे. नवीन फैंसी स्टोर धनबाद, झारखंड	**श्री राकेश कुमार हेलिवाल** मे. श्रेयी कोल कैरियर झरिया, धनबाद, झारखंड	**श्री रविष कुमार अग्रवाल** मे. दुर्गा प्रसाद ब्रिज मोहन भौराह, झारखंड	**श्री आशीष अगरवाला** सुखे निवास, गोविन्दपुर धनबाद, झारखंड
श्री हेमन्त अग्रवाल मुरारी लाल अग्रवाल झरिया, धनबाद, झारखंड	**श्री आशीष अग्रवाल** मे. मक्खन भोग धनबाद, झारखंड	**श्री मनीष अग्रवाल** मे. प्लाईवूड होम धनबाद, झारखंड	**श्री ब्रिज मोहन गर्ग** कैलाश चंद सुरेश कुमार कुसुना, धनबाद, झारखंड	**श्री राजेश कुमार खड़किया** मे. दुर्गा प्रसाद खड़किया झरिया, धनबाद, झारखंड

SUNO
TOH
APNE
DIL KI
LUX® cozi™
INNER WEAR
From the house of LUX
An ISO 9001:2015 Certified Company
Govt. Certified STAR EXPORT HOUSE
THE ADMIRED BRAND OF INDIA 2015
THE WORLD'S GREATEST BRANDS & LEADERS 2015-ASIA &GCC
THE ADMIRED BRANDS & LEADERS OF ASIA 2015
ASIA'S GREATEST BRAND 2016

REGISTERED Postal Registration
No. KOLRMS
Date of Publication - 29th January 2018
RNI Regd. No. 2866/68

RUPA

THERMOCOT

IT'S VERY VERY HOT

India's Most Popular Thermal Wear
for Men, Women & Kids

From :
All India Marwari Federation
4B, Duckback House
41, Shakespeare Sarani, Kolkata-17
Phone : (033) 4004 4089
E-mail : aimf1935@gmail.com